राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 15 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-146 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजिंग पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर, चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से की मुलाकात

*** कहा- दोनों देशों के बीच मौजूदा परिस्थितियों में रिश्तों का सामान्य होना जरूरी**

बीजिंग (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। उन्होंने भारत-चीन संबंधों में लगातार सामान्य होने की जरूरत पर जोर दिया है। जयशंकर की ये यात्रा विशेष रूप से अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह 2020 में पूर्वी लद्दाख में नियंत्रण रेखा पर हुए सैन्य गतिरोध के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर चीन में शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए चीन दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच रिश्तों का सामान्य होना जरूरी है। बीजिंग पहुंचने के बाद जयशंकर ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और इस पर खुशी जाहिर की। उन्होंने चीन के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की।

उन्होंने कहा है कि जब दोनों देशों के बीच मुलाकात हो रही है, तो इस समय अंतरराष्ट्रीय स्थिति अत्यंत जटिल है। ऐसे में पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत, चीन की एससीओ अध्यक्षता की सफलता का समर्थन करता है और माना कि पिछले अक्टूबर में कज़ान में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर सुधार हो रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली भारत में बेहद सकारात्मक रूप से सराही जा रही है। यह दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाने की जरूरत पर भी बल दिया और उम्मीद जताई कि सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाएगा। दोनों नेताओं की बैठक को संबंधों में संवाद और संतुलन की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच लगातार सामान्य हो रहे संबंध भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

ताड़केश्वर महादेव का 151 किलो घी से अभिषेक, काशी में 3 किमी लंबी कतारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन के पहले सोमवार को देशभर में शिवभक्तों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही मंदिरों में घंटा-घड़ियाल की ध्वनि और बम-बम भोले और हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। भगवान शिव को समर्पित इस पावन माह के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं ने व्रत, पूजा और जलाभिषेक कर भोलेनाथ का आशीर्वाद मांगा। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में 151 किलो शुद्ध देसी घी से विशेष अभिषेक किया गया और मंदिर को 3100 किलो आमों से सजाया गया।

श्रद्धालुओं के लिए सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित करने वाला होता है। वहीं सावन के पहले सोमवार के दिन देशभर के शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस खास दिन शिव भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करने व्रत और पूजा अनुष्ठान करते हैं। इस अवसर पर देशभर के शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। दिल्ली के गौरी शंकर मंदिर में सावन सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी और श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ की। इसी तरह गायिजाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

तड़के खुले महाकाल के द्वार

लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, गाजियाबाद, दिल्ली, उज्जैन, गुवाहाटी समेत देश के प्रमुख शिवालयों में अलसुबह से ही भक्तों का रेला देखने को मिला। उज्जैन में बाबा महाकाल के मंदिर के कपाट तड़के 2.30 बजे ही खोल दिए गए, जहां सावन में करीब 80 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है। हजारों श्रद्धालु तड़के ही बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंच गए।

विश्वनाथ मंदिर के बाहर लगी लंबी कतार

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की 3 किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। यहां सुबह 4 बजे मंगला आरती के साथ मंदिर के कपाट खुले, लेकिन भक्तों को दर्शन का अवसर महज एक सेकंड के लिए मिल सका। वाराणसी में यादव समाज की विशेष परंपरा भी देखने को मिली, जहां हजारों लोग डमरू और गंगाजल से भरे कलश लेकर बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करने पहुंचे। सावन माह के पहले सोमवार को लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भी भक्तों ने आरती की।

जलाभिषेक करने लाखों कांवड़िये पहुंचे

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ और बासुकीनाथ धाम में लाखों कांवड़िये जलाभिषेक के लिए पहुंचे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की व्यवस्था की है। सावन का यह पहला सोमवार शिवभक्तों की अटूट आस्था और परंपरा की अद्भुत झलक लेकर आया, जिसने एक बार फिर देश को 'हर-हर महादेव' की गूंज से भर दिया।

गौरी की तपस्या से प्रसन्न हुए शिव

मान्यता के अनुसार सावन का यह वही माह है जबकि देवी गौरी की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए थे। इसी के साथ मान्यता है कि प्रसन्न भगवान शिव ने देवी गौरी को पत्नी के रूप में स्वीकारा था। यह भी कहा जाता है कि हर साल देवों के देव महादेव सावन माह में ही अपनी ससुराल भी जाते हैं। इन मान्यताओं के अनुसार यह पूरा माह ही बेहद पवित्र और पूजा-पाठ करने वाला माना जाता है। ऐसे में शिव-भक्त सावन सोमवार के दिन व्रत और पूजा अनुष्ठान करते हैं।

जस्टिस सचदेवा होंगे मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

-केंद्र सरकार ने पांच हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर मुहर लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पांच हाईकोर्ट को नए चीफ जस्टिस मिले हैं। इनमें मप्र, झारखंड, कर्नाटक, गुवाहाटी और पटना हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्र सरकार ने इनकी नियुक्ति पर मुहर लगाई है। जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। गौरतलब है कि 23 मई को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैत के सेवानिवृत्त होने के बाद 24 मई से जस्टिस सचदेवा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्तियां की गई हैं। जिसमें जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस तरलोक सिंह चौहान झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस विभु बखरू कर्नाटक हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस आशुतोष कुमार गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्टों में रिक्तियों और प्रशासनिक जरूरतों का आकलन करने के बाद ये सिफारिशें की थीं। इन नियुक्तियों से राज्य स्तर पर न्यायपालिका में नेतृत्व को मजबूती मिलेगी और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे में मदद मिलेगी।

आमों से लदा ट्रक पलटा, नीचे दबकर 9 मजदूरों की मौत, 10 लोग घायल

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आमों से लदा एक ट्रक पलट गया जिससे 9 मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं। मृतकों में 5 महिलाएं शामिल हैं। ट्रक चालक इस हादसे में बच गया। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि सामने से आ रही कार से टक्कर से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया। रेलवे कोडुरु और तिरुपति जिले के वेंकटगिरी मंडल के 21 दिहाड़ी मजदूर एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में आम तोड़ने गए थे। ट्रक आमों के साथ रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था और मजदूर इसके ऊपर बैठे थे। हादसे में मजदूर 30-40 टन आमों के नीचे दब गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। ट्रक और आमों के ढेर के नीचे दबने से 9 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान गज्जाला दुर्गैया, गज्जाला लक्ष्मी देवी, गज्जाला रमना, गज्जाला श्रीनु, राधा, वेंकट सुब्बम्मा, चित्तेम्मा और सुब्बा रत्नम्मा के रूप में हुई। मुनिचंद्र की मौत राजमपेट के अस्पताल में हुई। घायलों को बेहतर इलाज के लिए कडपा के रिम्स में शिफ्ट किया गया है। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और जिला प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी शोक व्यक्त करते हुए घायलों के लिए बेहतर इलाज और मृतकों के परिवारों के लिए सहायता की मांग की।

मुंबई एयरपोर्ट पर तेज रफ्तार वाहन ने विमान को मारी टक्कर, मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल अकासा एयरलाइंस का एक विमान जब उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एक मालवाहक कंटेनर वाहन विमान के प्रोपेलर से टकरा गया। इस घटना में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद, विमान में सवार यात्रियों के लिए तुरंत एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। यह घटना एयरपोर्ट पर सुबह 4.54 बजे की बताई जा रही है। अकासा एयरलाइंस का विमान क्यूपी 1736 बेंगलुरु से मुंबई पहुंचने के बाद पार्क किया गया था। इसके बाद, वही विमान क्यूपी 1410 मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था। यात्रियों के विमान में चढ़ने से पहले माल उतारा जा रहा था। उसी दौरान एक कंटेनर वाहन विमान के दाहिने प्रोपेलर से टकरा गया। इस दुर्घटना में विमान और कंटेनर वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

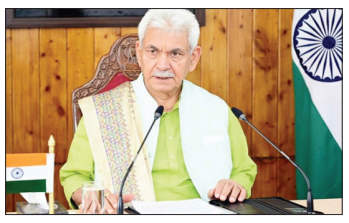

-कांग्रेस बोली- इस्तीफा कब देंगे?

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर स्पष्ट रूप से इसे सुरक्षा में चूक करार देते हुए पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि हमला पर्यटकों पर नहीं, भारत की आत्मा पर था। इस पर कांग्रेस ने एलजी से सवाल करते हुए कहा है, कि अब इस्तीफा कब देंगे?

एलजी सिन्हा ने पहलगाम हमले को लेकर अपने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, क्योंकि यह वास्तव में सुरक्षा में चूक थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वह खुला मैदान था, जहां सुरक्षा बलों के लिए तैनाती की सुविधा नहीं थी। उन्होंने माना कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही थी और आतंकी हमले का उद्देश्य इस समृद्धि पर चोट करना था। एलजी सिन्हा ने कहा कि इस हमले में एनआईए की जांच में कुछ स्थानीय लोगों की संलिप्तता सामने आई है, लेकिन यह मानना गलत होगा कि पूरा राज्य या सुरक्षा व्यवस्था खराब हो गई है। इसी बीच उन्होंने एक तरह से तुलना करते हुए कहा कि इस बार एक व्यक्ति की संलिप्तता मिली है, जबकि पिछले साल 6-7 और पहले 100 से अधिक लोग संलिप्त थे।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, पाकिस्तान को चेतावनी

एलजी सिन्हा ने भारतीय सेना के ऑपरेशन 'सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत किसी भी आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी एयरबेस तक को निशाना बनाया है, लेकिन पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा इस नुकसान की भरपाई कर सकती है। उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए सुरक्षा और सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

कांग्रेस बोली- जिम्मेदारी ली, अब इस्तीफा दें

एलजी सिन्हा के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार पर हमला बोला। खेड़ा ने कहा, कि हमले के 82 दिन बाद जिम्मेदारी ली गई, अब सवाल यह है कि क्या इस्तीफा देंगे या बर्खास्त होंगे? उन्होंने पूछा कि इतने दिन क्यों लगे? क्या यह बयान सिर्फ दिल्ली में किसी की सुरक्षा करने के लिए दिया गया है?

हरियाणा और गोवा को मिला नया राज्यपाल, गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का एलजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल और पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल घोषित किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार किया है। ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक पदों पर फेरबदल का संकेत हैं। घोष, जिन्होंने वरिष्ठ शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है और उच्च शिक्षा में अपने प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने वाले है। वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, राजू, गोवा में कार्यभार संभालने वाले है। राजू ने अपने दशकों लंबे राजनीतिक जीवन में आंध्र प्रदेश और केंद्र दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। जम्मू से भाजपा के वरिष्ठ नेता गुप्ता, लद्दाख में नई दिल्ली की प्रशासनिक उपस्थिति का नया चेहरा बन गए हैं। गुप्ता इससे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं और पीडीपी-भाजपा गठबंधन काल के दौरान उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था।

निमिषा प्रिया को बचाने की उम्मीद लगभग खत्म, केंद्र ने कहा, हम सारे प्रयास कर चुके

-अब एक ही रास्ता जबकि पीड़ित परिवार ब्लड मनी स्वीकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में बचाने की एक और उम्मीद खत्म होती दिख रही है। सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वे इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। निमिषा को यमन में 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जा सकती है। वह तलाल अब्दो महदी नाम के यमनी नागरिक की हत्या के मामले में दोषी साबित हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार ने कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है...लेकिन एक सीमा है जहां तक हम जा सकते हैं। अब एक ही रास्ता है कि (यमनी नागरिक का) परिवार ब्लड मनी को स्वीकार करने को तैयार हो जाए। दरअसल, इस व्यवस्था के तहत पीड़ित परिवार को एक धनराशि दी जाती है। हालांकि, यह रकम कितनी होगी, यह दोनों पक्ष मिलकर तय करते हैं।

एटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारत इस मामले में इतना आगे ही जा सकता था और सरकार अपने तमाम प्रयास कर चुकी है। उन्होंने कहा, सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। यमन की संवेदनशीलता को देखकर यह कूटनीतिक रूप से मान्य नहीं है। ब्लड मनी एक निजी समझौता है। केरल के पल्लकड़ जिले की निमिषा प्रिया महदी की हत्या की दोषी साबित हुई हैं। उन्होंने एक अन्य नर्स के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। खबर है कि दोनों ने कथित तौर पर यमनी नागरिक के शव को काट कर अंडरग्राउंड टैंक में डाल दिया था। इससे पहले कई मौकों पर निमिषा प्रिया ने आरोपों को चुनौती दी है, लेकिन कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दीं।

क्या है ब्लड मनी

आसान भाषा में ब्लड मनी का मतलब उस आर्थिक मुआवजे से है, जो दोषी की ओर से पीड़ित परिवार को दिया जाता है। खासतौर से गैर इरादतन हत्या के मामले में ऐसा होता है। इसके बाद पीड़ित परिवार पर निर्भर करता है कि वह दोषी को माफ करते हैं या नहीं। इस्लामिक कानून के अनुसार, अपराध के पीड़ितों को अपनी राय देने का अधिकार होता है कि अपराधियों को कैसे सजा दी जाए।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिज़ोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ राज्य के प्रमुख विकास मुद्दों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिज़ोरम की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से अधिक वित्तीय सहायता, सड़कों और कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, और शिक्षा प्रणाली के सशक्तिकरण जैसी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की। उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया कि मिज़ोरम की सीमा सुरक्षा और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ सहयोग को और मजबूत किया जाए। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें केंद्र की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने

मिज़ोरम को भारत के उत्तर-पूर्व में एक रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य बताया और कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट में 35 लाख मतदाओं के नाम नहीं होंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 से पहले चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत करीब 35.5 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कार्रवाई ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। विपक्ष ने इसे चुनावी गणित से छेड़छाड़ बताया है। उधर, इस मामले में चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में भी बेंच ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मंशा पर सवाल उठाते हुए जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि अब तक 6.6 करोड़ मतदाता (88.18त्न कुल मतदाता) ने पुनरीक्षण फॉर्म जमा किया है। अंतिम तिथि 25 जुलाई है, इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी।

जाने माने रैपर और एल्विश यादव के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया ताबड़तोड़ फायरिंग में बाल-बाल बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने माने रैपर और एल्विश यादव के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया पर ताबड़तोड़ फायरिंग में बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि ये फायरिंग गुरुग्राम के पास बादशाहपुर एसपीआर (साउदर्न पेरीफेरल रोड) पर हुई। अज्ञात बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया। बता दें कि इससे पहले सांपों के जहर और शूट के लिए सांपों के इस्तेमाल के मामले में उनका नाम एल्विश यादव के साथ आया था। वह यूट्यूबर एल्विश के दोस्त हैं। ईडी ने भी राहुल से पूछताछ की थी और उनकी प्रॉपर्टी अटैच की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी, सोशल मीडिया पर चल रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और संयम का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर वर्तमान में चल रहे विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना होगा। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी की वकालत कर कहा कि किसी भी सूरत में सेंसरशिप की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि लोगों को आत्मसंयम और नियमन का पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विचार कर कहा कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन उनके बीच भाईचारा भी बने रहना चाहिए। अदालत ने कहा कि कोई नहीं चाहता है कि राज्य/सरकार इसतरह के मामलों में दखल दे, लेकिन भाषण की स्वतंत्रता पर तार्किक पाबंदियां उचित हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों के बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी नहीं चाहता कि संबंधित सरकार नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायतकर्ता वजाहत खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा को कंट्रोल करें। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ऐसी कोई भी कोशिश न करे जिससे अभिव्यक्ति की आजादी की पवित्रता का उल्लंघन हो।

शीर्ष अदालत की पीठ ने आत्मनियमन और आत्मसंयम पर जोर देकर कहा, लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय या अनुचित क्यों नहीं लग रहा? सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विषय-वस्तु का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को इसतरह के घृणास्पद भाषणों (हेट स्पीच) को शेयर और लाइक करने से खुद को ही रोकना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कौशलता विकास एक संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र है- कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र है

(लेखक-किशन सनमुखदास भावनानीं)

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण

कौशलता विकास,सामाजिक आर्थिक सुधारों बढ़ती असमानता बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा

गोंदिया - सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है।बस! ज़रूरत है उसे पहचान कर निखारने की,जिसके बलपर सफ़लताओं की हदें पार की जा सकती है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है, जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की करें तो, सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयास है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं।युवा महिलाओं औरलड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनियाँ में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जिससे हम कौशलता से ऐसा दक्ष हो जाते है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन जाते है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां,जैसे कि यूनेस्को- यूएनईवीओसी, काम की दुनियाँ में पहुंची बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण बहुत ही जोर शोर से करता है

साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई 2025 के बारे में जानने की करें तो, थीम:2025 के लिए, विश्व युवा कौशल दिवस की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण है। महत्व:यह दिन युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है।आयोजन:इस दिन, विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संवाद आयोजित किए जाते हैं, जिनमें युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के बारे में जानकारी दी जाती है।भागीदारी:शिक्षक, अभिभावक, मार्गदर्शक,प्रशिक्षण प्रदाता और अन्य सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि युवा आवश्यक कौशल प्राप्त करें। दिनांक 12 जुलाई 2025 को देर शाम माननीय उपराष्ट्रपति ने एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कौशल का विकास के बारे में कहा भारतीय संविधान में 22 दृश्य चित्रणों में एक गुरुकुल की भी छवि है। हम हमेशा से ज्ञान के दान में विश्वास करते रहे हैं। कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए। मैं सिविल सोसाइटी और मेरे सामने और बाहर मौजूद जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस बीमारी की गंभीरता को समझें। उन्हें शिक्षा में विवेकशीलता बहाल करने के लिए एकजुट होना होगा। हमें कौशल के लिए प्रबल प्रशिक्षण की सख़्त आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलेपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई): वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई): 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना-यह भारत के युवाओं को 400 सेअधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरुआत की गई है। पूर्व सीखने की मान्यता: इसे 2015 में व्यक्तियों द्वारा अर्जित पूर्व स्किल्स को पहचानने के लिए लॉन्च किया गया था। यह पीएमके वीवाई के प्रमुख घटकों में से एक है। इसके तहत एक निश्चित स्किल्स वाले या पूर्व सीखने के अनुभव वाले व्यक्तिको राष्ट्रीय स्किल्स योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार ग्रेड के साथ आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाता है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना: इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट): यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है।आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प): इसका ध्यान अभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है। औद्योगिक मूल्य वृद्धि के लिए स्किल्स सुदृढ़ीकरण: स्ट्राइव योजना आईटीआई और शिक्षुता के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले स्किल्स प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्व बैंक की सहायता प्राप्त भारत सरकार की परियोजना है। पीएम युवा योजना (युवा उद्यमिता विकास अभियान): वर्ष 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है; समर्थन और उद्यमिता समर्थन नेटवर्क तक आसान पहुंच और समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यमों को बढ़ावा देना। यंग, अपकमिंग एंड वर्सेटाइल ऑथर्स (वाईयूवीए) योजना, युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम है। कौशलाचार्य पुरस्कार: स्किल्स प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने और अधिक प्रशिक्षकों को स्किल्स भारत मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू किया गया। शिक्षुता और स्किल्स में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना: यह योजना राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के माध्यम से अप्रैल 2019 में बाहर निकलने वाले सामान्य स्नातकों को उद्योग शिक्षुता अवसर प्रदान करने के लिए है। आत्मानिभर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मानचित्रण: 2020 में शुरू किया गया, यह कुशल लोगों को स्थायी आजीविका के अवसर खोजने में मदद करने के लिए एक पोर्टल है जनजातीय समुदाय के लिए विशेष पहल। गोइंग ऑनलाइन एज़ लीडर्स - आदिवासी आबादी को कला और संस्कृति, हस्तशिल्प, कपड़ा और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में मदद कर रहा है जिससे जनजातीय आबादी के बीच एंटरप्रेन्योरशिप का विकास हो रहा है। इसी प्रकार वन धन योजना आदिवासी समाज को नए अवसरों से प्रभावी ढंग से जोड़ रही है।

साथियों बात अगर हम विश्व को चलता दिवस 15 जुलाई के इतिहास की करें तो,18 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने सर्वसम्मति से श्रीलंका के नेतृत्व में एक प्रस्ताव अपनाया, और 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। वैश्विक स्तर पर युवा कौशल विकास के महत्व को उजागर करने के लिए श्रीलंका ने जी 77 (77 देशों का समूह) और चीन की सहायता से इस संकल्प की शुरुआत की थी। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरणकौशलता विकास एक संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र है-कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र हैं कौशलता विकास,सामाजिक आर्थिक सुधारों,बढ़ती असमानता, बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा।

संपादकीय

नकली नोट की चोट

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

राजनीती में पढ़ाई का महत्व है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में केवल शिक्षा ग्रहण नहीं करना है बल्कि हमें शिक्षक से गुणवान बनाता है जो जीवन में जरुरी है ख़ासकर आज के तकनिकी युग में हालांकि चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है इसमें लागू नहीं होता है लेकिन यदि पढ़ा लिखा होगा तो भविष्य में उसे अवश्य ही काम आएगा मैं एक सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में 2016 में सिवनी गया जहाँ सभी डॉ थे और हमें उनके व्यवहार से ऐ सिखने क़ो मिला पीच्डी आपके लिए काफी मायने रखती है हालांकि आर्ट और साइंस में करना उतना टफ नहीं है जितना इंजीनियरिंग में क्योंकि बीटेक ही एक टफ कोर्स है इंडिया में शिक्षा विदेशों से काफी बेहतर है जिसमें संस्कार क़ो भी एक आदर्श के रूप में देखा जाता है यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने क़ो मिला जहाँ छात्र शिक्षक क़ो पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही वक्तव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीती का सवाल है अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूड़ी, केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं देश क़ो चलाने के लिए मंत्रालय होता है और उसके लिए सरकार द्वारा चुनाव में जीते गए एमपी या राज्य सभा के सांसद होते हैं मंत्री पद भी उनकी योग्यता के अनुसार देने की कोशिश होती है जैसे स्वास्थ्य मंत्रालय में डॉ और न्याय मंत्रालय में एल एल बी होता है मंत्री के निचे 1या दो राज्य मंत्री होते हैं और उस मंत्रालय का सचिव जो आईएएस रैंक का या उस क्षेत्र से सम्बंधित उच्च संस्थान में निदेशक हो जैसे विज्ञान और प्रोधोगिकी मंत्रालय के सचिव प्रोफेसर अभय कराणदीकर जी है हैं जो आई आई टी, कानपुर के फॉर्मर डायरेक्टर थे इसी तरह अन्य विभाग में होता है उसे उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी होता है अत: वह विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करता है अभी हाल ही में अमेरिका में यूक्रेन क़ो हथियार के मदद में राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश के बाद भी रक्षा सचिव ने वहाँ से बापस मंगा लिया क्योंकि ऑडिट करना कारण बताया गया अत: सरकार सचिव के मामलों में दखल नहीं देती है क्योंकि वो कैबिनेट से चुने जाते है अत: यदि मंत्री पढ़ा लिखा होगा तो उस क्षेत्र का सही ज्ञान होगा और विदेश में किसी भी समझौता में बहुत सोच समझ कर जबाब देगा हाल ही में भारत में रक्षा के क्षेत्र में उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह 4 जुलाई, 2025 को फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हम सिर्फ पाकिस्तान से नहीं बल्कि तीन फ्रंट पर लड़ाई कर रहें थे जिसमें पाकिस्तान के साथ तुर्की भी शामिल था इसमें सेना पर गर्व करना चाहिए कि सेना की ताकत और भविष्य में रक्षा कूटनीति की की नितांत आवश्यकता है और रूस से सम्बन्ध यदि ठीक नहीं है तो उसे सुधारने की जरुरत है इसलिए शायद सरकार ने शशि थरूर क़ो रूस भेजा अमेरिका कभी मदद नहीं करेगा इसका पुराना इतिहास रहा है हालांकि इजराइल ने मदद की है जैसे अन्य स्रोत से मालूम हुआ है अत: भारत ने इसलिए ईरान और इजराइल के युद्ध में दुरी बना लीं अब विदेश नीति क़ो सुधार करने की जरुरत है क्योंकि हम अभी भी रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है ऐ तो पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का 1998 में अमेरिका क़ो ताक में रख कर परमाणु परीक्षण किया जिसका हवाला ट्रम्प ने दिया कि भारत में सीजफायर इसलिए कराया ताकि परमाणु युद्ध ना हो जाये और जब पता लगा की पाकिस्तान का परमाणु बम किसी और देश अमेरिका के नियंत्रण में है तो प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम पर पाकिस्तान क़ो सीधा संदेश दिया कि परमाणु ब्लैक मेल नहीं चलेगी ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दिया यदि हर किसी के कार्य के बारे में चर्चा करे इससे पहले अपने बारे में चर्चा से आज के हालत में पढ़ाई की कीमत क़ो पहचाने आज तकनिकी युग है शुरू से हमलोगों का पेशा नौकरी करना नहीं रहा है लेकिन समय बदलते ही ऐ समझ गया आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है इसलिए भाई क़ो इंजीनियरिंग करने क़ो प्रोत्साहित किया और इसप्रकार समाज में योग्यता के बल पर मान सम्मान मिला पहले हमारे बुजुर्ग लोग पूजा पाठ और लोगों की समस्या क़ो हल करते थे कई अपने रिश्तेदार में समाधि भी लगाई है विंध्याचल से लेकर वृन्दावन में हमारे रिश्तेदार रहते हैं हमें रामायण की शिक्षा दादाजी से मिली और बाद में प्रभु राम के महत्व क़ो जाना अत: नेगेटिव और पोजेटिव दोनों का होना जरुरी है पोजटिव पाना है तो नेगेटिविटी गतिविधियों क़ो मन में आने ही ना दें अच्छा कर्म,मानवता ही पोजटिव का स्रोत है हमारे परिवार में आज भी लोग खुद पूजा पाठ करते हैं जो पोजटिव एनर्जी देती है अत: पढ़ना जरुरी है देश में पढ़े लिखें लोगों क़ो ही वोट देना प्रदेश या देशहित में होता है क्योंकि इससे उसे अपने व्यवहार और समस्या क़ो हल करने में सहूलियत होती है नीतीश कुमार जो वर्तमान में बिहार के सीएम हैं वो एन आईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री किए है इसलिए बिहार का विकास हुआ और खुद प्रशांत किशोर जन सूराज पार्टी के नेता तेजस्वी यादव जो महागठबंधन के लिए बिहार में अगले चुनाव में अपने मुख्यमंत्री की दावेदारी कर रहें हैं 9वीं फेल है यह मंच पर बताने की जरुरत नहीं थी बिहार के लोग खुद जानते हैं क्योंकि जब जेडीयू और आरजेडी के गठबंधन से 2015 में सरकार बनी थी तब गली गली में लोग कह रहें थे कि तेजस्वी यादव क़ो उपमुख्यमंत्री बनाया गया जो 9 वीं फेल हैं बिहार में कुछ भी छिपता नहीं है वहाँ शाम में लोग चाय पर निकलते हैं और यही सब चर्चा चलती है जब 2014 में एक चाय बेचने वाला जो एनडीए के हमेशा खिलाफ रहा तो मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने पर बहुत खुश हुआ कि चाय बेचने वाला जब प्रधान मंत्री बन सकता है तो लोकतंत्र में क़ोई भी देश का सच्चा सेवक क्यों नहीं बन सकता लेकिन तेजस्वी यादव और राहुल गाँधी ने कभी भगवान श्री राम पर खुले दिल से उनके प्रशंसा के क़ोई भी बात नहीं कहा इसलिए ऐ सब बिहार चुनाव में क़ोई मायने नहीं रखती क्योंकि वहाँ की जनता क़ो सब मालूम है.अत: बोलचाल और चुनाव में गमछा हिलाने से ही पता चल जाता है कि क्या है पढ़ाई से जो उस मंत्रालय के सचिव या आई पी एस ऑफिसर होते हैं उन्हें एक सम्मान मिलता है इसलिए इसे किसी मंच पर मुद्दा बनाना सही नहीं है इतने दिनों से नीतीश कुमार ने कभी उसकी योग्यता पर प्रश्न नहीं किया और काम करते चले गए लेकिन आज कल बिहार में कारोबारी की हत्या होना भी सही नहीं है प्रशासन क़ो ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे सरकार क़ो घेरने का विपक्ष क़ो मौका मिलता है।

(चिंतन-मनन)

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

विचार मंथन

अमेरिकी कंपनी ने वायदा कारोबार से भारतीय निवेशकों से 2 लाख करोड़ ढगे

(लेखक- सनत जैन)

- सेबी तमाशा देखती रह गई

अमेरिका की कंपनी जेन स्ट्रीट हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म है। इसने पिछले 4 सालों में भारत के वायदा कारोबार में ट्रेडिंग के नियमों का उल्लंघन कर लाखों करोड़ रुपए की लूट भारत से की है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेवी) आंख बंद करके बैठी रही। भारत के वायदा कारोबार से जुड़े 91 फ़ीसदी निवेशकों को पिछले 4 सालों से यह कंपनी लूट रही थी। अभी तक जो जानकारी प्राप्त हुई है। उसके अनुसार 2 लाख करोड रुपए से ज्यादा की लूट इसने पिछले वर्षों में की है। इसके पहले के आंकड़ों को अभी तक सेवी ने उजागर नहीं किया है। जब इस मामले की कलई खुली, सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों पर कार्यवाही करते हुए 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने पिछले दो वर्ष जिसमें वर्ष 2024 में लगभग 50000 करोड रुपए 2025 में 74812 करोड रुपए का घोटाला किया है। कंपनी ने निफ्टी के 50 इंडेक्स वाले शेयरों में हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग वाले सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए, पिछले 4 वर्षों से धोखाधड़ी की जा रही है। कंपनी सुबह के समय भारी मात्रा में वायदा कारोबार के शेयर और फ्यूचर्स में कारोबार करती थी। वायदा कारोबार में इन कंपनियों की खरीदी के कारण जब तेजी आ जाती थी। तो खरीदे हुए शेयर कुछ ही सेंकड़ों में बेचकर भारी मुनाफा कमाकर अमेरिका ले जाती थी। इसकी जानकारी देने वाले विहसिल ब्लोअर मयंक बंसल का दावा है। जेन स्ट्रीट ने जनवरी 2023 से मार्च 2025 तक 36502 करोड रुपए का अवैध मुनाफा कमाया है। इसकी सहयोगी कंपनियों के आंकड़े को भी सामने लाया जाए तो पिछले 4 वर्षों में वायदा कारोबार में जो 91 फ़ीसदी छोटे भारतीय निवेशक थे। उन्हें लाखों करोड़ों रुपए का घाटा हुआ है। अमेरिका की कंपनी ने वायदा कारोबार में इंडेक्स की 50 कंपनियों में शॉर्ट ऑप्शन का इस्तेमाल करते हुए भारी मुनाफा कमाया है। भारतीय शेयर बाजार से कमाए गए मुनाफे को कंपनी अमेरिका ले गई है। भारतीय शेयर बाजार का पैसा सिंगापुर और अमेरिका में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से ट्रांसफर किया गया है। वायदा कारोबार के भारतीय 91 फ़ीसदी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। वायदा कारोबार के 50 इंडेक्स वाली सूची के शेयरों में निवेश करने वाले धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। 3 जुलाई 2025 को सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है। सेबी ने 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने लाखों करोड़ रुपए की लूट भारतीय शेयर बाजार से अवैध तरीके से की है। सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को पल-पल की खबर होती है। शिकायत करने के बाद भी दोनों नियामक संस्थाओं ने कोई कार्यवाही कंपनी पर नहीं की। 4 साल से यह गोरख धंधा चलता रहा, अब जाकर कार्रवाई की गई है। अमेरिका की कंपनी अमेरिका में मामला दर्ज कराने की बात कर रही है। भारतीय शेयर बाजार, विदेशी कंपनियों को मुनाफा देने वाला सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयर बाजार सोने के अंडे देने वाला बाजार है। भारत की वित्तीय संस्थाओं द्वारा पिछले एक दशक में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों में भारी निवेश किया है। म्युचुअल फंड के जरिये करोड़ों भारतीय छोटे निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश किया है। पिछले 10 साल से विदेशी निवेशकों के लिये मुनाफा वसूली का सबसे बड़ा बाजार भारत का शेयर बाजार है। दुनिया के किसी भी शेयर बाजार में इस तरह की तेजी देखने को नहीं मिली, जो भारतीय शेयर बाजारों में देखने को मिली। निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सेबी की होती है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को भी इस तरह के लेनदेन पर निगाह रखनी थी। समय रहते कार्रवाई करनी थी। तीनों आंख बंद करके बैठे रहे। रही-सही कसर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूरी की है। जब भारत से अरबों रुपए की राशि हर महीने विदेश जा रही थी। शेयर बाजार के जरिए काले धन को विदेशों से भारत के शेयर बाजार में निवेश किया लाया जा रहा था। यहां से मुनाफा बसूली करके धन वापस ले जाया जा रहा था। इस मामले की कई शिकायतें पिछले वर्षों में हुई हैं। किसी भी संस्था ने जांच करने की जहमत नहीं उठाई। जिसके कारण हर साल भारतीय शेयर बाजार के जरिए लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले हुए हैं।

इस हफ्ते 5 कंपनियां ट्रेड करेंगी एक्स-बोनस, लिस्ट में अशोक लेलैंड भी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस हफ्ते कई कंपनियां एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रही हैं। इस लिस्ट में अशोक लेलैंड भी शामिल है। आइए जानते हैं कि कौन सी कंपनी किस दिन एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। और योग्य निवेशकों को कितना शेयर बोनस के तौर पर मिलेगा।

आईएफजीएल रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड- कंपनी निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दे रही है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी की तरफ से 18 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 1.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 564.80 रुपये पर था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

मदरसन सुमी वायरिंग इंडिया लिमिटेड- यह कंपनी भी 18 जुलाई को ही एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने कहा है कि योग्य निवेशकों को 2 शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। स्टॉक का भाव 1.58 प्रतिशत की गिरावट के बाद 63.45 रुपये के लेवल पर बीएसई में बंद हुआ था। बता दें, 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 8 प्रतिशत चढ़ा है।

संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड- शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.76 प्रतिशत की गिरावट के बाद 150.80 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 2.87 प्रतिशत टूट चुका है। अब कंपनी ने 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए 18 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

अनुह फार्मा लिमिटेड- फार्मा कंपनी परसों यानी 15 जुलाई को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर फ्री देने का फैसला किया है। शुक्रवार को यह स्टॉक 1.32 प्रतिशत की गिरावट के बाद 205.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 24 प्रतिशत टूट चुका है।

अशोक लेलैंड - कंपनी का शेयर 1.42 प्रतिशत की गिरावट के बाद 246.25 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 10 प्रतिशत चढ़ा है। कंपनी इस हफ्ते बुधवार यानी 16 जुलाई को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा।

14 जुलाई को खुल रहा है सस्ता आईपीओ, ग्रे मार्केट में अभी दिखा रहा 35 रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुपनवेब नोलवोवेन आईपीओ खुलने जा रहा है। कंपनी का आईपीओ 14 जुलाई से खुल जाएगा। निवेशकों के पास 16 जुलाई तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का साइज 60.98 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 63.52 लाख शेयर जारी करेगी। बता देंस्पनवेब नॉनवॉवन आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है।

क्या है प्राइस बैंड - स्पनवेब नॉनवॉवन आईपीओ का प्राइस बैंड 90 रुपये से 96 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 2,30,400 रुपये का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ की लिस्टिंग एनएसई एसएमई में प्रस्तावित है।

किसके लिए कितना हिस्सा- क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए आईपीओ के कुल साइज का कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। एनआईआई की बात करें तो कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

ग्रे मार्केट में स्थिति अच्छी- इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति अपने सबसे बेहतर स्थिति में है। आईपीओ 35 रुपये के प्रीमियम पर ग्रे मार्केट में उपलब्ध है। 9 जुलाई को ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 6 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। तब से अबतक प्रति शेयर 29 रुपये इजाफा हुआ है। अब देखना है कि लिस्टिंग तक ग्रे मार्केट का यह तेजी वाला ट्रेंड बरकरार रहता है या नहीं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- पारिस्थितिक तंत्र-विकास में संतुलन जरूरी; दो करदाताओं को किया सम्मानित

शिलांग, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को शिलांग में एक संवाद सत्र के दौरान विकास और इकोलॉजिकल संरक्षण के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से मेघालय जैसे क्षेत्रों में यह संतुलन बेहद अहम है। वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि जलवायु संकट इस हद तक बढ़ गया है कि सर्वोत्तम मौसम विज्ञान उपकरण भी मौसम के स्वरूप का सटीक अनुमान नहीं लगा सकते। उन्होंने आगे कहा कि चरम मौसम घटनाएं आम बात हो गई हैं। जो बारिश पहले कई महीनों तक होती थी, अब एक ही दिन में हो रही है। इससे अचानाक बाढ़ आ रही है और लोगों और संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा है।

ग्रामीण और वन क्षेत्रों में डिजिटलीकरण की जरूरत- ग्रामीण और वन क्षेत्रों में बदलती गतिशीलता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। कंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें कनेक्टिविटी के लिए ऑप्टिकल फाइबर और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से वैश्विक पहुंच की जरूरत है ताकि किसान और कारीगर अपने उत्पादों का विपणन कर सकें। इसका मतलब है कि हमें उन क्षेत्रों में विस्तार करना होगा, जो सदियों से हरे-भरे रहे हैं।

संवेधनशील पारिस्थितिकी क्षेत्रों में विकास का निर्णय स्थानीय स्तर पर हो- वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि संवेदनशील पारिस्थितिकी क्षेत्रों में विकास संबंधी निर्णय स्थानीय स्तर पर लिए जाने चाहिए। उन्होंने पूछा कि अगर पूरी तरह से विकास से इनकार कर दिया जाए, तो क्या वे लोग, जो सदियों से बिना बदलाव के रहे हैं और अब बेहतर जीवन की आकांक्षा रखते हैं, संतुष्ट रहेंगे? सीतारमण ने बताया कि यह बहस न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है।

जलवायु शिखर सम्मेलन की चर्चा

उन्होंने जानकारी दी कि अगला वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन ब्राजील के अमेजन वर्षावन के किनारे एक सुदूर क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि अब यह चर्चा दुनिया के सबसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों तक पहुंच चुकी है।

मेघालय की दो महिला करदाता का हुआ सम्मान

वित्त मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार कर ढांचे को सरल बनाने और वित्तीय प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने पर काम कर रही है ताकि पारदर्शिता और भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र-विशेष की योजनाएं और स्थानीय मुद्दे संबंधित मंत्रालयों और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (ष्ठश्वह्रश्वक्र) के माध्यम से भेजे जाना चाहिए। इससे समय पर मूल्यांकन और कार्रवाई हो सकेगी। इस अवसर पर उन्होंने मेघालय की दो प्रमुख महिला करदाताओं रिमिफुल शायला और वंजोप्लिन को सम्मानित किया और कर प्रणाली में उनके सराहनीय योगदान की सराहना की। केंद्रीय वित्त मंत्री गुरुवार से मेघालय के चार दिवसीय दौरे पर हैं।

भारत में पहली बार एक्वा टेक पार्क.. मछली उत्पादन को बढ़ावा; युवाओं को कमाई के अवसर मिलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने सोनापुर में भारत के पहले एक्वा टेक पार्क का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य मछली उत्पादन को बढ़ावा देना और राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करना है।

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इससे संबंधित पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि भारत का पहला एक्वा टेक पार्क असम के सोनापुर में उद्घाटन किया गया। यह मछली उत्पादन को काफी बढ़ावा देगा और असम में युवाओं को पर्याप्त कमाई के अवसर प्रदान करेगा।

केंद्र ने 2015 से मत्स्य पालन क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया- पीआईबी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 2025-26 की बजट घोषणा रणनीतिक रूप से वित्तीय समावेशन को बढ़ाने, सीमा शुल्क को कम करके किसानों पर वित्तीय बोझ को कम करने और समुद्री मत्स्य पालन के विकास को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। केंद्र सरकार ने 2015 से मत्स्य पालन क्षेत्र में संचयी रूप से 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके परिणामस्वरूप देश में मछली उत्पादन दोगुना हो गया है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए सरकार की योजनाएं- सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं भी शुरू की हैं। इसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की परिकल्पना 2020 में की गई थी ताकि मछुआरों, मछली किसानों और अन्य हितधारकों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करते हुए मत्स्य पालन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद मिल सके। यह 20,050 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पाँच वर्षों (2020-21 से 2024-25) की अवधि के लिए लागू है। यह पहल अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में मजबूती से उतरती है। उत्पादन बढ़ाने और मजबूत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है।

कृषि क्षेत्र में असम ने दिखाई मजबूती - कृषि क्षेत्र में, असम ने खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2024-25 के दौरान लगभग 7 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद करके धान खरीद में एक नया रिकॉर्ड बनाया। असम के माजुली जिले के किसानों ने पश्चिम एशिया और यूरोपीय संघ के बाजारों में 267 मीट्रिक टन लाल चावल का निर्यात किया। असम के नदी द्वीप जिले माजुली ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है क्योंकि इसके स्वदेशी जैविक लाल बाओ धान ने वैश्विक बाजार में अपनी शुरुआत की है।

रिलायंस, विप्रो, टेक महिंद्रा... किसे कितना फायदा और कितना नुकसान, अगले हफ्ते चल जाएगा पता

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते कई बड़ी कंपनियां वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड , विप्रो , एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन नतीजों पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

आने वाले हफ्ते में आइटी कंपनियां जैसे एचसीएल टेक, विप्रो और टेक महिंद्रा अपने नतीजे बताएंगी। तेल और टेलीकॉम सेक्टर की बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और प्राइवेट बैंक जैसे एक्सिस बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक भी अपने तिमाही नतीजे जारी करेंगे।

14 जुलाई- एचसीएल टेक और टाटा टेक के नतीजे आएंगे। ञ्जष्टस् के नतीजों के बाद अब निवेशकों की नजर एचसीएल टेक्नोलॉजीज पर रहेगी। टाटा टेक्नोलॉजीज, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हाथवे भवानी केबलटेल, सिटाडेल रियलिटी और डेवलपर्स, तेजस नेटवर्क्स और कुछ अन्य कंपनियां भी सोमवार को अपने नतीजे बताएंगी।

15 जुलाई- एचडीएफसी लाइफ और आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड जनरल के नतीजे आएंगे। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज,

आइसीआइसीआइ प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और लगभग एक दर्जन अन्य कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करेंगी।

16 जुलाई- टेक महिंद्रा के नतीजे आएंगे। टेक महिंद्रा, एंजेल वन, एलटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, एलई ट्रेवेन्यूज टेक्नोलॉजी, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, डीबी कॉर्प और कुछ अन्य कंपनियां वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे बताएंगी।

17 जुलाई- विप्रो और एक्सिस बैंक के नतीजे आएंगे। विप्रो, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, पॉलीकैब इंडिया, 360 वन वैम, टाटा कम्युनिकेशंस और कुछ अन्य कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करेंगी।

पति को हुआ कैंसर तो शुरू की केमिकल फ्री खेती, बंजर जमीन में उगाया सोना, सालाना 1 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली। किसी भी कारोबार को करने के लिए मन में इच्छा और जुनून का होना जरूरी है। ऐसा ही कुछ किया रीवा सूद ने। साल 2012 में रीवा सूद की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। उनके पति को कैंसर हो गया था। इसके बाद रीवा हिमाचल प्रदेश में अपने घर लौट आईं। उन्होंने बंजर जमीन को 70 एकड़ के हरे-भरे खेत में बदल दिया। वह केमिकल फ्री खेती करती हैं। अपने इस कारोबार में उन्होंने 300 ग्रामीण महिलाओं को भी सशक्त बनाया है। रीवा अपने इस कारोबार से सालाना एक करोड़ रुपये की कमाई कर रही हैं।

साल 2012 में रीवा और उनके पति राजीव सूद के लिए जिंदगी अचानक बदल गई। राजीव को आंत का कैंसर हो गया था। यह खबर उनके लिए एक बड़ा झटका थी। रीवा कहती हैं, इस खबर ने हमें सोचने पर मजबूर कर दिया। हमने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थी कि राजीव की बीमारी की जड़ क्या है।

ऐसे मिला खेती का आइडिया- रीवा आगे बताती हैं, एक बार मैंने उनसे पूछा कि आप तो डॉक्टर हैं। फिर आपको यह कैसे हो गया? हमने क्या गलत किया होगा? उनका जवाब सरल था और इसने मुझे झकझोर दिया। मेरे पति ने बताया कि उन्हें खाने के कारण कैंसर हुआ है। इस बात से पता चला कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग से उपजाई गई सब्जियों और फलों ने उनकी सेहत पर बुरा असर डाला होगा। यहीं से रीवा के मन में केमिकल फ्री खेती का विचार आया।

रीवा का जन्म हिमाचल प्रदेश में हुआ था। लेकिन उनकी पढ़ाई-लिखाई और नौकरी दिल्ली में हुई। कैंसर की खबर के बाद उन्होंने अपने गांव लौटने और स्वस्थ जीवन जीने का फैसला किया। उनका गांव हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में है। उन्होंने सबसे पहले अपनी बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने का फैसला किया।

भारत की आयुष प्रणाली ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में मिला विशेष स्थान

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्वास्थ्य नवाचार के क्षेत्र में भारत को बड़ी उपलब्धि मिली है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में भारत के आयुष इनोवेशन और उसमें एआई के अग्रमी प्रयासों को शामिल किया गया है। इस रिपोर्ट का शीर्षक है पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग का मानचित्रण।

आयुष मंत्रालय ने शनिवार को बातया कि डब्ल्यूएचओ की यह रिपोर्ट भारत के ही एक प्रस्ताव पर आधारित है। इसके बाद परंपरागत चिकित्सा में एआई के उपयोग के लिए यह पहली वैश्विक रूपरेखा तैयार की गई।

रिपोर्ट में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को किया गया शामिल- इस रिपोर्ट में भारत के आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों में एआई-आधारित कई नवाचारों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट में प्राकृति मूल्यांकन, नाड़ी परीक्षण, जीभ निरीक्षण जैसे पारंपरिक तरीकों को मशीन लर्निंग और डीप न्यूरल नेटवर्क्स से जोड़ने वाले डायग्नोसिस सपोर्ट सिस्टम्स की सराहना की गई है। ये प्रयास निदान सटीकता को बढ़ा रहे हैं और व्यक्तिगत देखभाल को सक्षम बना रहे हैं।

आयुर्जेनोमिक्स को मिला वैश्विक मंच- रिपोर्ट में एक विशेष नवाचार आयुर्जेनोमिक्स का उल्लेख किया गया है। यह एक वैज्ञानिक उपलब्धि है जो जीनोमिक्स को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के साथ जोड़ती है। इनसे बीमारी की भविष्यवाणी और व्यक्तिगत स्वास्थ्य अनुशंसा को एआई के माध्यम से संभव बना रही है। साथ ही, पारंपरिक हर्बल दवाओं की आणविक संरचना को समझकर उन्हें आधुनिक बीमारियों में दोबारा उपयोग के लिए तैयार करने की दिशा में भारत के प्रयासों को बड़ी उपलब्धि बताया गया है।

पारंपरिक ज्ञान का डिजिटलीकरण

भारत के पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) की तारीफ करते हुए डब्ल्यूएचओ ने इसे प्राचीन चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण और जिम्मेदार उपयोग का वैश्विक मॉडल बताया है। साथ ही, प्राचीन ग्रंथों के सूचीकरण और अर्थ विश्लेषण के लिए एआई-संचालित उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे समय-परीक्षित चिकित्सीय ज्ञान तक आसान पहुँच संभव हो रही है।

2018 में लॉन्च हुआ डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि इस डिजिटल परिवर्तन के मूल में आयुष ग्रिड है। 2018 में लॉन्च किया गया एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म, जो कई नागरिक-केंद्रित पहलों जैसे कि [illegible] पोर्टल, [illegible] पोर्टल और आयुष अनुसंधान पोर्टल की नींव का काम करता है। साथ मिलकर, ये [illegible]-सक्षम प्लेटफॉर्म न केवल सहेजने का कार्य किया है, बल्कि इसे वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य ढांचे में प्रमाण आधारित तरीके से एकीकृत करने की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाया है।

सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस अभियान की मदद से बीमा जागरूकता समिति सबसे पहले सुरक्षा पर आधारित वित्तीय योजना को बढ़ावा देती है

मुंबई, एजेंसी। दिसंबर 2023 के एनआईए अध्ययन के अनुसार, भारत एक उल्लेखनीय जीवन बीमा सुरक्षा की कमी से जूझ रहा है। इस कमी का अंतर 2019 में 83त्न से बढ़कर 2023 में 87त्न हो गया है। 18 से 35 वर्ष की उम्र के लोगों में 90त्न से ज़्यादा की यह कमी और भी ज़्यादा साफ़ तौर पर दिखाई देती है। यह बढ़ती असुरक्षा परिवारों की वित्तीय सुरक्षा (फ़ाइनैंशियल सेक्योरिटी) और उम्मीदों के लिए एक गंभीर खतरा है।

इसकी व्यापक्ता से जुड़ी चुनौती से निपटने के लिए ही भारत में सभी जीवन बीमा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली बीमा जागरूकता समिति (इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी) ने अपने राष्ट्रीय अभियान सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस के अगले चरण की शुरुआत की है। यह पहल हर भारतीय को एक नए उत्साह के साथ लाइफ़ इंश्योरेंस को अपनी वित्तीय यात्रा की बुनियाद मज़बूत बनाने, बढ़ती जागरूकता को सार्थक कार्रवाई में बदलने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

अपने मूल में, यह अभियान बुनियादी वित्तीय सुरक्षा की उपेक्षा करते हुए बचत और निवेश को प्राथमिकता देने की आम आदत को चुनौती देता है। यह इस पर ज़ोर देता है कि लाइफ़ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) किसी भी सुरक्षित वित्तीय योजना की शुरुआत होनी चाहिए। क्योंकि इससे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने और सेवानिवृत्ति जैसे लॉन्ग-टर्म लक्ष्य हासिल करने के लिए एक मज़बूत आधार मिलता है।

भरोसेमंद कहानी सुनाने और भावनात्मक रूप से दिल-दिमाग में बैठने वाले आख्यानों के ज़रिए, यह अभियान रोज़मर्रा के उन पलों में जान फूँक देता है जो सही मायनों में दाँव पर लगे हैं। यह अभियान न सिर्फ़ एक अनुबंध के रूप में, बल्कि जीवन के एक औज़ार के रूप में लाइफ़ इंश्योरेंस को उसकी खास जगह देता है, जैसे सपनों की रक्षा करना, परिवारों का सहारा बनना और मन की शांति देना।

उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव लाने और जीवन बीमा समाधानों के बारे में जागरूकता फैलाने और इसकी पहुँच बढ़ाने के लिए इस अभियान की योजना एक साल तक चलने वाली एक नई पहल के रूप में तैयार की गई है। इसकी पहुँच लोगों तक हो और उन्हें यह हमेशा याद रहे, इसके लिए इसे टेलीविज़न, डिजिटल, प्रिंट, आउटडोर आदि सहित कई मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर लागू किया जाएगा।

इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी के एक सदस्य ने कहा, सबसे पहले तो यह जान लें कि लाइफ़ इंश्योरेंस सिर्फ़ एक नारा नहीं है, बल्कि यह समय की एक साफ़-साफ़ पुकार है कि हम वित्तीय योजना से कैसे जुड़ते हैं, उसके लिए क्या करते हैं। हम अक्सर धन कमाने की कोशिशों में उसकी सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करते हैं और यह सोचते हैं कि बाद में देखा जाएगा।

अडानी की कंपनी का बड़ा ऐलान, एक्सपर्ट का अनुमान- 30 प्रतिशत से ज्यादा उछलेगा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी- अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। दरअसल, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने शनिवार (12 जुलाई) को एक अहम ऐलान किया है। आपको बता दें कि अडानी ग्रीन के शेयर को लेकर एक्सपर्ट भी बुलिश हैं। ब्रोकरेज जेफरीज का अनुमान है कि शेयर में 30 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल हो सकता है। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए एक टारगेट प्राइस भी तय किया है। शेयर के टारगेट प्राइस को जानने से पहले कंपनी के ऐलान के बारे में जान लेते हैं।

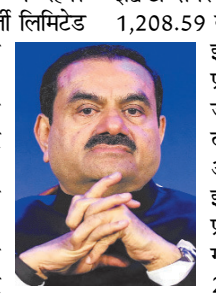

क्या है कंपनी का ऐलान- अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने शेयर वारंट के रूपांतरण के माध्यम से प्रमोटर समूह की इकाई आर्डोर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड को 1.08 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं, जिससे 1,208.59 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आवंटन को बोर्ड की प्रबंधन समिति ने 12 जुलाई, 2025 को मंजूरी दी थी। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य ?10 है और इसे ?1,470.75 के प्रीमियम पर जारी किया गया था, जो 25 जनवरी, 2024 को प्रारंभिक वारंट आवंटन के दौरान निर्धारित शर्तों के अनुरूप है।

अडानी ग्रीन ने बताया कि आर्डोर के पास अभी भी 1,15,76,193 वारंट हैं, जिन्हें सेबी द्वारा निर्धारित 18 महीने की अवधि के भीतर 24 जुलाई, 2025 तक परिवर्तित किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन गिल ने इंग्लैंड में बल्ले से मचाया कोहराम, राहुल द्रविड़ का पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने 13 जुलाई को इंग्लैंड की धरती पर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया। गिल इंग्लैंड की धरती पर किसी टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में गिल ने 2 रन बनाने के साथ ही ये बड़ा मुकाम अपने नाम किया है।

वहीं शुभमन गिल के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में 3 मैचों की 6 पारियों में अब तक कुल 603 रन बना लिए हैं। दरअसल, साल 2002 में राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज में 602 रन बनाए थे। इंग्लैंड में भारत के लिए टेस्ट सीरीज में द्रविड़ ही सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय थे, लेकिन अब शुभमन गिल ने केवल तीन मैचों की 6 पारियों में 603 रन बनाकर उन्हें पछाड़ दिया हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में गिल सिर्फ 16 रन बना सके थे, लेकिन दूसरी पारी में 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर उन्होंने द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वहीं भारत के लिए टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट में 732 रन बनाए थे। गिल के पास अब कोहली और गावस्कर दोनों के रिकॉर्ड तोड़ने का बेहतरीन मौका है।

किंग कोहली ने बतौर कप्तान 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच में 655 रन बनाए थे। वहीं साल 2017 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों में 610 रन बनाए थे।

बेन डकेट को आउट कर उग्र हुए सिराज, आईसीसी ने ठोका जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

लॉर्ड्स(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बेन डकेट को आउट करने के बाद उग्र होने के लिए मैच फीस का 15त्न जुर्माना लगाया है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

यह घटना मैच के चौथे दिन हुई थी जब उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज को आउट किया था। सिराज ने इंग्लिश बल्लेबाज को आउट करने के बाद आक्रामक अंदाज में विदाई दी जिसमें उनके चेहरे पर जोर से जश्न मनाना और आउट होने के बाद उनसे टकराना भी शामिल था।

सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, हरकतें या हाव-भाव का इस्तेमाल करने या बल्लेबाज को भड़काने से संबंधित है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

पिछले 24 महीनों में सिराज का यह दूसरा ऐसा अपराध था, जिसका मतलब है कि अब उनके रिकॉर्ड में 2 डिमेरिट अंक हैं। अगर 24 महीने की अवधि समाप्त होने से पहले उनके 4 डिमेरिट अंक हो जाते हैं तो उन पर स्वतः ही एक मैच का निलंबन लग जाएगा।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को बड़ी जिम्मेदारी, इस आईपीएल टीम ने बनाया कोच

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए सोमवार को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। वरुण आरोन का हमारे नए गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है।'

आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। 35 साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में आस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया था।

आरोन करियर की शुरुआत में एक युवा तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को पार करने में सक्षम था। भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों ने उस समय आरोन और उभरते हुए एक अन्य तेज गेंदबाज उमेश यादव पर बहुत अधिक ध्यान दिया था। उमेश ने देश के लिए 50 से अधिक टेस्ट खेले तो वहीं लगातार चोटिल होने के कारण आरोन का करियर परवान नहीं चढ़ सका। आरोन ने संन्यास के बाद टेलीविजन पर क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर काम करना शुरू किया है।

एमआई न्यूयॉर्क ने दूसरी बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

डलास (एजेंसी)। एमआई न्यूयॉर्क ने सोमवार को वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ एमआई ने दूसरी बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया।

एमआई न्यूयॉर्क ने साल 2023 में पहली बार एमएलसी की ट्रॉफी अपने नाम की थी, जिसके बाद अगले साल इस खिताब को वाशिंगटन फ्रीडम ने अपने नाम किया था। डलास में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी एमआई न्यूयॉर्क ने सात विकेट खोकर 180 रन बनाए। इस टीम को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। मोनांक पटेल और क्विंटन डी कॉक ने 7.1 ओवरों में 72 रन जोड़े। मोनांक 22 गेंदों में 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तजिंदर ढिल्लन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन 14 रन से ज्यादा नहीं बना सके।

यहां से क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। पूरन ने 17 गेंदों में 21 रन की पारी खेली, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 77 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके। उनके अलावा इयान हॉलैंड, जैक एडवर्ड्स, ग्लेन मैक्सवेल और सौरभ नेत्रावलकर ने एक-एक शिकार किया।

इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम निर्धारित ओवरों में 175/5 के स्कोर से आगे नहीं बढ़ सकी। टीम शुरुआती पांच गेंदों में अपने दो बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी। इस समय तक फ्रीडम का खाता तक नहीं खुला था। यहां से रचिन रविंद्र ने जैक एडवर्ड्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। एडवर्ड्स 22 गेंदों में 33 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद रचिन रविंद्र ने ग्लेन फिलिप्स के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन जुटाए। रविंद्र 41 गेंदों में दो छक्कों और आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की कोशिश जरूर की, लेकिन जीत नहीं दिला सके। फिलिप्स 34 गेंदों में 48 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में पांच छक्के शामिल थे। एमआई न्यूयॉर्क की ओर से ट्रेंट बोल्ट और रुशिल उगरकर को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि नोस्टुश केंजीगे ने एक शिकार किया।

कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस महिला युगल चैंपियन

लंदन। वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिसे मेर्टेंस की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में सु-वेई सीह और येलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा कर लिया। कुदेरमेतोवा पहली बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनी हैं जबकि मेर्टेंस का यह पांचवां ग्रैंड स्लैम और दूसरा विम्बलडन युगल खिताब है। कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस 2021 के फाइनल में एक-दूसरे के खिलाफ थीं, लेकिन इस साल विम्बलडन में पहली बार एक साथ खेल रही थीं। यह जोड़ी तीसरे सेट में 2-4 से पीछे थी लेकिन शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार गेम को भुना कर खिताब जीतने में सफल रही। सु-वेई ने तीन अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ चार बार विम्बलडन युगल खिताब जीता है। कुदेरमेतोवा ने कहा, मैं वह (2021) फाइनल हार गई थी और वह बहुत निराशाजनक था। आज मैंने खुद से कहा था कि मुझे यह खिताब चाहिए, और अब यह मेरा है।

डब्यूपीएल से महिला क्रिकेट को मिली कई प्रतिभाएं : कोच मजूमदार

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्यूपीएल) के अनुभवों के कारण ही इस बार भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल से टीम को कई प्रतिभाएं मिली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है पर भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजरें है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी भी इनमें खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह भी डब्ल्यूपीएल से ही निकलकर भारतीय टीम में पहुंची हैं। अमोल ने कहा, 'मुझे लगता है, आप जानते हैं, डब्ल्यूपीएल से हमने उन्हें पहचाना और फिर मुझे लगता है कि उनकी प्रगति शानदार रही है। हम एक बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस काम के लिए बिल्कुल सही रही हैं। मजूमदार ने कहा कि इस सीरीज में सबसे विशेष बात भारत की सटीक गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहा जिसने पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी क्रम का अच्छा साथ निभाया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम बात हमारी गेंदबाजी थी। इसमें कोई संदे नहीं है। भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक रणनीति थी। हमारा शिविर अच्छा था और हमने अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दिया जिसका प्रभाव इस सीरीज में दिखा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहे। राधा यादव की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने भी श्रृंखला के दौरान ध्यान आकर्षित किया और मजूमदार ने कहा कि यह सुधार इस बाएं हाथ की स्पिनर द्वारा घरेलू स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम है।

श्री चरणी टी20 ने की राधा के रिकार्ड की बराबरी

एजबेस्टन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई स्पिनर श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। श्री चरणी ने इसी सीरीज में अपने टी20 करियर की शुरुआत करते हुए सीरीज के पांच मैचों में 14.8 की औसत के साथ 10 विकेट लिए हैं। इसी के साथ श्री चरणी टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले पायदान पर पहुंच गई हैं। श्री चरणी के अलावा राधा यादव के नाम भी एक ही टी20 सीरीज में 10 विकेट लेने का रिकार्ड है। राधा ने साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी। इस सूची में श्री चरणी और राधा यादव के बाद दीप्ति शर्मा है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी सीरीज में 9 विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इससे पहले एकदिवसीय प्रारूप में के पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 12 रन देकर चार विकेट और अगले तीन मैचों में दो-दो शिकार किए। हालांकि, अंतिम मैच में उन्हें कोई विकेट हाथ नहीं मिला। इस सीरीज को टीम इंडिया ने 3-2 से जीता ओर इस दौरान पूरी सीरीज में भारतीय खिलाड़ी छायी रही। अंतिम मैच में भ मेजबान टीम को अंतिम गेंद पर ही जीत मिली।

पीएसजी को हराकर चेल्सी ने जीता फीफा क्लब विश्वकप का खिताब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन यानी पीएसजी के फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीतने का सपना टूट गया है। इस सीजन पीएसजी ने सभी चार ट्रॉफी अपने नाम की थी लेकिन यहां चेल्सी भारी पड़ गई। मेटलाइफ स्टेडियम पर खेले गए खिताबी मुकाबले में चेल्सी ने पीएसजी को 3-0 से हराया। चेल्सी की यह दूसरी क्लब विश्व कप ट्रॉफी है। इससे पहले टीम ने 2021 में भी खिताब अपने नाम किया था। इस बार यह टूर्नामेंट अलग फॉर्मेट में आयोजित किया गया था। इसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया और इसकी शुरुआत 14 जून को हुई थी। 2023 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पिछले साल तक 8 टीमें ही हिस्सा लेती हैं।

कोल पाल्मर जीत के हीरो रहे

चेल्सी के लिए कोल पाल्मर ने दो गोल किए। 22वें मिनट में पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके 8 मिनट बाद उन्होंने टीम की तरफ से दूसरा गोल कर दिया। 30वें मिनट तक चेल्सी की बढ़त 2-0 की हो गई थी। पहले हाफ के अंत में चेल्सी ने तीसरा गोल भी कर दिया। जोआओ पेड्रो के गोल की मदद से चेल्सी की जीत पहले हाफ में ही पक्की हो गई थी। पीएसजी की टीम पूरे मुकाबले में कोई भी गोल नहीं कर पाई।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रॉफी दी

पीएसजी का इस सीजन शानदार प्रदर्शन रहा। क्लब ने फ्रेंच लीग, फ्रेंच कप और फ्रेंच सुपर कप की ट्रॉफी जीती थी। फिर इतिहास में पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता। लेकिन सीजन की 5वीं ट्रॉफी जीतने का सपना चेल्सी ने तोड़ दिया। चेल्सी हालिया प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही थी। यह मुकाबला 81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। ट्रंप ने पोडियम पर जाकर विजेता टीम को ट्रॉफी दी।

चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल दिया है। यह अवॉर्ड्टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल करने के साथ ही दो असिस्ट भी किए। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला और 20 वर्षीय पीएसजी फॉरवर्ड डेसिरे डूए को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, 'जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं।' साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है। अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

नीरज सहित कई एथलीट विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे

नई दिल्ली । विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इसका खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसी के तहत ही भारतीय खिलाड़ी सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे। एथलेटिक्स के सबसे अधिक खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। एक बैठक में एथलेटिक्स के लिए 86 लाख रुपये के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के नाम विश्व चैंपियनशिप के दो पदक है और 27 साल का यह खिलाड़ी एक बार फिर से भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद होगा। वह 57 दिनों के लिए प्राग और चेक गणराज्य के निम्बार्क में प्रशिक्षण लेंगे। चोपड़ा ने 2022 में रजत और 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, पारुल चौधरी और लंबी दूरी के धावक गुलबीर सिंह 15 जुलाई से तीन सितंबर तक कोलोराडो स्प्रिंग्स, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षण लेंगे। सरकार ने तीनों के प्रशिक्षण खर्च के लिए 41.29 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

लिवरपूल, 14 जुलाई (वेब वार्ता)। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था। प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले 'यू विल नेवर वॉक अलोन' का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो न्युमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं।

इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली।

जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की। अपनी दाहिनी कोहनी की सुरक्षा के लिए सफेद टेप और सफेद बांह की आस्तीन पहने हुए सिनर को कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सेमीफाइनल में 24 बार के मेजर चैंपियन नोवाक जोकोविच को बाहर करते समय भी कोई भी परेशानी महसूस नहीं की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मायावती ने नीतीश की घोषणाओं को अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी बताया

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार में चुनावी साल में हालिया रोजगार संबंधी घोषणाओं को लेकर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने इन घोषणाओं को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया है। मायावती ने पोस्ट कर कहा कि नीतीश द्वारा चुनाव के बाद सरकार बनने पर अगले पांच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने की घोषणा बिहार की बिगड़ती कानून-व्यवस्था से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए की गई एक कोशिश मात्र है। उन्होंने नीतिश की घोषणा को अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी बताया, जो लोगों को हकीकत से दूर करती है। मायावती ने कहा कि जनता विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादों, दावों और घोषणाओं से भलीभांति परिचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पार्टियां चुनाव से पहले इसतरह के लोक लुभावने वादे करने में बिल्कुल नहीं हिचकिचातीं। उनके अनुसार, बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी और रोजगार का वादा उनके अन्य वादों से मेल खाता है, जिसे जनता अपने अनुभवों के आधार पर जानती है। मायावती ने उम्मीद जाहिर की बिहार की जनता सोच-समझकर गरीब और सर्वजन हितैषी सरकार चुनेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि चुनाव बाहुबल, धनबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त होकर पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। उन्होंने कहा कि सभी गरीबों, मजदूरों और अन्य मेहनतकश लोगों को सही से वोट डालने का मौका मिलना चाहिए।

प्लास्टिक के जहरीले रसायन से भारत में सबसे ज्यादा मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्लास्टिक में पाया जाने वाला एक खतरनाक रसायन डाय-2 एथाइलहेक्सिल थैलेट (डीईएचपी) दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बन रहा है। चिंता की बात यह है कि इस रसायन से संबंधित सबसे ज्यादा मौतें भारत में हो रही हैं। प्लास्टिक के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर एक नया अध्ययन बेहद चौंकाने वाले तथ्य सामने लाया है। अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन हेल्थ द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि सिर्फ वर्ष 2018 में ही डीईएचपी के संपर्क से करीब 3.5 लाख लोगों की जान हृदय संबंधी बीमारियों के कारण गई।इनमें 1,03,587 मौतें अकेले भारत में हुईं, जो चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों से भी ज्यादा हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारत प्लास्टिक से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट की गंभीर चपेट में है। डीईएचपी का उपयोग आमतौर पर प्लास्टिक को लचीला और टिकाऊ बनाने के लिए किया जाता है। यह रसायन खासकर फूड पैकेजिंग, मेडिकल ट्यूब, ब्लड बैग्स, बोतलें और घरेलू प्लास्टिक कंटेनरों में पाया जाता है। जब ये वस्तुएं गर्म होती हैं या टूटती हैं, तो इनमें से सूक्ष्म प्लास्टिक कण डीईएचपी के साथ निकलकर शरीर में पहुंच जाते हैं। इससे दिल की धमनियों में सूजन, ब्लॉकेज, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, और साथ ही मोटापा, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. लियोनार्डो ट्रासांडे के अनुसार, डीईएचपी अकेला कारण नहीं है लेकिन इसका असर अन्य रसायनों के मुकाबले कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह विश्लेषण 55 से 64 वर्ष की उम्र के लोगों के स्वास्थ्य डाटा पर आधारित है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि असल मृत्यु संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि डीईएचपी से होने वाली मौतों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को साल 2018 में ही 510 अरब से लेकर 3.74 लाख करोड़ डॉलर तक का नुकसान हुआ। भारत, चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों में प्लास्टिक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके सुरक्षित प्रयोग और जागरूकता की भारी कमी है।

दिल्ली में लापता हुई छात्रा स्नेहा की लाश मिली, त्रिपुरा सीएम ने कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई दिनों से त्रिपुरा की छात्रा स्नेहा देबनाथ लापता थी।बीते रोज कथित डेड बॉडी गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से बरामद कर ली गई है। स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा थी। उसकी एक करीबी मित्र ने उसके बारे में कई खुलासे किए हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 7 जुलाई को पर्यावरण कॉम्प्लेक्स से स्नेहा के लापता होने की सूचना मिली थी। परिजनों की ओर से सौंपे गए एक नोट में उसके सिग्नेचर ब्रिज से कूदने के इरादे का संकेत मिला था। पुलिस ने बताया कि 19 साल की स्नेहा के परिजनों में महरौली थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दी थी। परिजनों ने अपनी शिकायत में बताया कि स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। 7 जुलाई को उसने आखिरी बार अपने परिवार से संपर्क किया था। वहीं दूसरी तरफ त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने भी मामले में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपने एक पोस्ट में कहा कि सबरूम की रहने वाली स्नेहा देबनाथ जो नई दिल्ली में लापता हो गई हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के संज्ञान में मामला आते ही उसकी ओर से दिल्ली पुलिस को तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। दिल्ली पुलिस की मानें तो कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने जांच टीम को बताया कि उन्होंने एक लड़की को ब्रिज पर खड़ा देखा था। फिर इसके बाद एनडीआरएफ की मदद ली गई। एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर निगम बोध घाट से नोएडा तक तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से उसकी कथित डेड बॉडी बरामद कर ली गई। इन शुरुआती जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस ने स्नेहा की खोजबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक कैब ड्राइवर ने स्नेहा को सिग्नेचर ब्रिज पर छोड़ने की बात बताई। फिर तकनीकी निगरानी से स्नेहा की आखिरी लोकेशन सिग्नेचर ब्रिज पर पाई गई। दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि स्नेहा के करीबी दोस्तों ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से परेशान थी। यही नहीं स्नेहा ने उसी सुबह एक ई-मेल और व्हाट्सएप संदेश भेजा था। पुलिस ने बताया कि वह मामले की छानबीन कर रही है।

पंजाब में पंचायत का फरमान... अवैध तौर पर रह रहे अप्रवासी एक सप्ताह में गांव छोड़ें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अंदर हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें बीते कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी इसतरह से खबरें आ रही है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान आया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रहने वाले प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने का फरमान दिया है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में बताया गया हैं कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें से तमाम इसतरह के लोग हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स की लत है और उसके प्रभाव में आकर ये लोग चोरियां तक कर रहे हैं। ड्रग तस्करी से भी इंकार नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लगी है। ऐसी स्थिति में हम गांव वालों ने प्रस्ताव पारित किया है कि ये लोग निकल ही जाएं।

सरपंच बिंडा ने कहा कि उन लोगों को ही यहां रुकने दिया जाएगा, जिनके पास आधार कार्ड हैं या फिर अन्य दस्तावेज हैं। बिना आईडी प्रूफ वाले लोगों को यहां रुकने की परमिशन नहीं होगी। ऐसा इसलिए ताकि कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या यदि खड़ी होती है, तब उसके बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। इस मामले में कुछ संगठनों ने दखल देने की कोशिश की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इस बात की गारंटी कौन लेगा कि बिना किसी आईडी प्रूफ के यहां रहने वाले लोग कोई समस्या पैदा नहीं करेगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान के बैनर पर पोती कालिख, सपा के तीन नेता गिरफ्तार

-स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन और थाने का घेराव

प्रयागराज (एजेंसी)। शिक्षा मंत्रालय की स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पोस्टर और बैनर पर कालिख पोतने के मामले में प्रयागराज पुलिस ने तीन समाजवादी पार्टी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान सपा छात्र सभा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बैनर पर कालिख पोती और शिक्षा बनाम मधुशाला जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। इस घटना को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तीन टीमों का गठन कर छापेमारी की और छात्र सभा के जिलाध्यक्ष शिवा केसरवानी, उपाध्यक्ष शिवा बागी, तथा सद्दाम अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकारी बैनर को नुकसान पहुंचाने, शांति भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज किया है। यहां गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही सपा के वरिष्ठ नेता सिविल लाइंस थाने पहुंचे और गिरफ्तारी का विरोध किया। महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन और महासचिव रविंद्र यादव रवि की अगुवाई में बैठक कर इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया गया। प्रदर्शन के पीछे छात्रों और समाजवादी पार्टी की मांग है कि स्कूलों के विलय से गांवों और छोटे इलाकों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। अब इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है।

छांगुर बाबा का कुबूलनामा: अंतरराष्ट्रीय गिरोह के नेटवर्क की कमान संभालती थी नसरीन

नई दिल्ली(एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के मामले में धरे गए छांगुर बाबा ने अपनी करतूतों को कबूल लिया है। उन्होंने कबूला है कि दुबई और नेपाल में उसके गिरोह का सबसे ज्यादा नेटवर्क है। यहां की कमान नीतू उर्फ नसरीन ही संभाल रही थी। यहां से आने वाली रकम व संस्थाओं को सहयोग के लिए मददगार नीतू से ही सम्पर्क करते थे। रिमाण्ड अवधि के चौथे दिन एटीएस अफसरों से ऐसा ही छांगुर बाबा ने कहा। रविवार को भी सबसे ज्यादा सवाल विदेशी फंडिंग को लेकर हुए।

एटीएस ने जब पूछा कि दोनों व गिरोह के अन्य सदस्यों के कितने खाते कहां-कहां खुले हुए हैं। इस पर दोनों के विरोधाभासी जवाब थे। छांगुर ने कहा कि उसे सिर्फ अपने खाते के बारे में पता है। वहीं नीतू ने कहा कि छांगुर ही सारे खाते का हिसाब रखता था। वह अपने नाम से खुले आठ खातों के बारे में ही जानती है। उसके इन खातों में तीन अलग-अलग संस्थाओं के नाम से हैं। एटीएस ने धर्मांतरण से जुड़े कई सवाल किए। बताया जाता है कि एटीएस इन दोनों को आजमगढ़ व श्रावस्ती भी ले जा सकती है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक जैसे ही उससे धर्मांतरण के बारे में पूछा जाता है, वह एक ही रट लगाता है कि उसने एक भी अवैध धर्मांतरण नहीं कराया। सबने अपनी मर्जी से ही इस्लाम धर्म कुबूल किया। सालाना उर्स की बात पर उसने कहा कि सब कुछ सबके सामने होता था। दरगाह के पास सालाना उर्स में हर धर्म के लोग आते थे। जब उससे रुपये देकर इस्लाम धर्म कुबूलवाने की बात कही तो वह गोलमोल जवाब देने लगा। उसके सामने ही नीतू से पूछा गया कि रकम कहां-कहां खर्च करती थी। इस पर उसने छांगुर बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये ही तय करते थे कितनी रकम कहां खर्च की जानी थी। एटीएस रिमाण्ड पर पूछताछ के दौरान दोनों के गोलमोल जवाब देने पर वह सख्त भी हुई।

मजिस्द की चारदीवारी फांदकर नमाज पढ़ने पहुंचे उमर, नजर बंद करने का आरोप लगाया

-शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने से रोका गया

हरिद्वार (एजेंसी)। श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा रोकने के बाद मजार-ए-शोहदा की चारदीवारी फांदकर नमाज़ पढ़ी। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने मज़ार-ए-शोहदा आने से पहले किसी को सूचित नहीं किया था, क्योंकि उन्हें 13 जुलाई शहीद दिवस पर नज़रबंद किया गया था। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें सुरक्षा बलों के द्वारा रोकने की कोशिश की गई। इस मौके पर अब्दुल्ला के फारुक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें उमर दीवार फांदकर अंदर जा रहे हैं। 13 जुलाई, 1931 को जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह डोगरा राजशाही के खिलाफ विद्रोह में मारे गए 22 नागरिकों की हत्या की याद में मनाया गया था।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी बताते हैं। उनके आदेश पर हमें कल फ़ातिहा पढ़ने की इजाज़त नहीं दी गई। सुबह से ही सभी को

नज़रबंद किया गया था। जब मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां फ़ातिहा पढ़ने आना चाहता हूं। तब कुछ ही मिनटों में मेरे घर के बाहर बंकर लगा दिए गए। और वे रात के 12-1 बजे तक वहां रहे। आज मैं बिना किसी को बताए यहां आया था। आज भी उन्होंने हमें रोकने की कोशिश की। मैं जानना चाहता हूँ कि किस क़ानून के तहत मुझे रोका गया।

अब्दुल्ला ने कहा कि वे कहते हैं कि यह एक आज़ाद देश है, लेकिन वे सोचते हैं कि हम उनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं हैं। हम सिर्फ़ यहां के लोगों के गुलाम हैं। हमने उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने हमारा झंडा फाड़ने की कोशिश की। लेकिन हम यहां आए और फ़ातिहा पढ़ा। वे भूल जाते हैं कि ये कब्रें हमेशा यहीं रहेंगी।

अन्य नेताओं के दावे और प्रतिक्रियाएँ

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी आरोप लगाया कि कश्मीर में उनके आधिकारिक आवास पर अधिकारियों ने ताला लगा दिया था। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया और जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ़्ती ने कहा कि उनकी पार्टी के नेताओं को पुलिस थानों में नज़रबंद कर दिया गया, जबकि अन्य को उनके घरों में बंद कर दिया गया। उन्होंने इन कार्रवाइयों को दमनकारी बताया और इनकी तुलना 13 जुलाई के शहीदों द्वारा लड़ी गई लड़ाई से की।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने भी दावा किया कि उन्हें अपने घर से बाहर निकलने से रोका गया और उन्होंने 13 जुलाई को दिए गए बलिदान को कश्मीरियों के लिए पवित्र बताया।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से पायलट एसोसिएशन नाराज... जांच में शामिल होने की बात कही

-जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इल्जाम लगाना सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुवाती रिपोर्ट चर्चा में है। रिपोर्ट में विमान हादसे के पीछे फ्यूट कटऑफ का अंदेशा जाहिर किया गया है, इसपर पायलट यूनियन का गुस्सा भड़क गया है। एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश की जांच में शामिल करने की मांग की है।

भारतीय वाणिज्यिक पायलट संघ (आईसीपीए) ने पायलट के द्वारा विमान का फ्यूल कटऑफ करने वाली थ्यौरी की कड़ी निंदा की है। आईसीपीए का कहना है कि जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इस तरह से इल्जाम लगाना सही नहीं है। पायलट की आत्महत्या का आरोप पूरी तरह से निराधार है।

आईसीपीए के अनुसार, विमान हादसे के बाद मीडिया और लोगों के बीच जिस तरह की बातें चल रही हैं, उससे हम बेहद दुखी हैं। पायलट के द्वारा आत्महत्या का यह आरोप बकवास और निराधार है। इस तरह के दावों का कोई आधार नहीं है। प्रारंभिक जांच और अधूरे आंकड़ों के आधार पर इसतरह के इल्जाम लगाना न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना हरकत है बल्कि उनके परिवार के प्रति भी असंवेदनशीलता को दिखाते हैं।

वहीं एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश जांच में शामिल होने की मांग की है। एलएपीए 800 एअरलाइंस और हेलीकॉप्टर कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है। साथ ही संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एअरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (आईएफएएलपीए) से जुड़ी है। वहीं, दुनिया के 100 देशों के 1 लाख पायलट आईएफएएलपीए के सदस्य हैं।

एलएपीए-इंडिया के अध्यक्ष सैम थॉमस ने बताया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट वेबसाइट पर डाल दी गई। उस पर किसी के हस्ताक्षर नहीं थे। हम पारदर्शिता चाहते हैं। हम चाहते हैं कि जांच टीम में हमारे प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए।

थॉमन के अनुसार, जांच की गोपनीयता से हम हैरान हैं। हमें लगता है कि जांच में पायलट्स को प्लेन क्रैश के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हम इसके सख्त खिलाफ हैं।

समाज में कुछ ऐसे लोग हों जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें

गडकरी ने कहा-अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार नहीं कर सकती

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की जरुरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

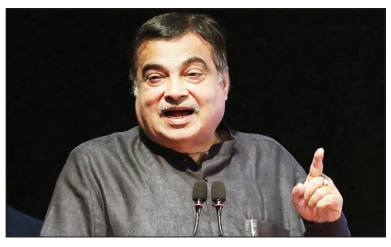

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नागपुर में प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में कुशल संगठक के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। गडकरी ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की जरुरत पर जोर दिया। ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

अब ट्रेनों में लगाए जाएंगे कैमरे, चोर और बदमाशों पर रखी जाएगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब इंडियन रेलवे सिक्योरिटी को और पुख्ता करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इससे यात्रियों की सुरक्षा को और चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा। ट्रायल के पॉजिटिव रिजल्ट आने के बाद अब रेलवे ने सभी यात्री कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया है। इस पहल से ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

हर कोच में चार डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, दो-दो कैमरे दोनों दरवाजों के पास। वहीं, प्रत्येक इंजन में कुल छह कैमरे होंगे, आगे, पीछे और दोनों ओर एक-एक। इसके अलावा फ्रंट और रियर कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी कैमरे नवीनतम तकनीक से लैस होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे कैमरे लगाए जाएं, जो 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चल रही ट्रेनों में भी स्पष्ट रिकॉर्डिंग कर सकें। साथ ही कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन करें।

रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कैमरे यात्रियों की प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कोच के सामान्य आवागमन क्षेत्र, जैसे दरवाजों के पास लगाए जाएंगे। यह कदम उन असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने में मददगार होगा, जो भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना की समीक्षा की। बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें बताया गया कि उत्तरी रेलवे में किए गए सफल परीक्षणों के बाद अब देशभर के सभी कोचों और इंजनों में कैमरे लगाए जाएंगे। रेल मंत्री अधिकारियों को इंडिया एआई मिशन के सहयोग से इन कैमरों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाएं तलाशने को भी कहा। रेलवे मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो। कैमरे केवल सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे सुरक्षा तो सुनिश्चित होगी ही। साथ ही किसी की गोपनीयता भी प्रभावित नहीं होगी। यह

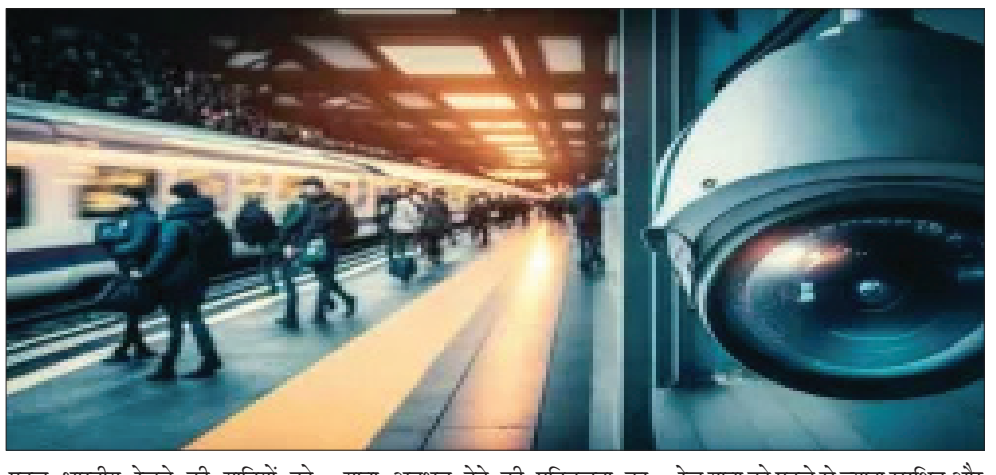

पहल भारतीय रेलवे की यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। आने वाले समय में यह तकनीक रेल यात्रा को पहले से ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

आखिर कहां जाकर रुकेंगे ट्रंप, अब अमेरिका ने ईयू और मेक्सिको पर लगाया 30 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को यूरोपीय संघ (ईयू) और मेक्सिको के उत्पादों पर 30 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने का एलान किया। बढ़ा हुआ कर एक अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर अमेरिका के इन दो सबसे बड़े व्यापार साझीदारों पर कर बढ़ाने का एलान किया। ट्रंप की यह घोषणा अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की उनकी योजना का हिस्सा है। उन्होंने अपनी योजना का जिक्र 2024 में अपने चुनाव प्रचार के दौरान किया था और इस वर्ष राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह लगातार इस पर कार्य कर रहे हैं। मेक्सिको की राष्ट्रपति को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा है कि मेक्सिको हमारी सीमा को सुरक्षित करने में सहायता दे सकता है लेकिन वह नहीं दे रहा है, इसलिए वह कड़ा निर्णय ले रहे हैं। विदित हो कि मेक्सिको अमेरिका का पड़ोसी देश है। जबकि यूरोपीय संघ को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा है कि ईयू से व्यापार में अमेरिका को जो घाटा हो रहा है उससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। विदित हो कि ईयू के अंतर्गत यूरोप के 27 देश आते हैं।

बिग बास फेम अब्दु रोजिक दुबई में गिरफ्तार, चोरी का लगा आरोप

दुबई, एजेंसी। बिग बास फेम और ताजिकिस्तानी सिंगर और सोशल मीडिया स्टार अब्दु रोजिक को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अब्दु को तब गिरफ्तार किया गया जब वह मोंटेनेग्रो से दुबई पहुंचे थे। हालांकि, किस कारण से अब्दु को गिरफ्तार किया गया है इसके बारे में जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दुबई की अथॉरिटीज ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। लेकिन, अब्दु रोजिक की मैनेजमेंट कंपनी ने पुष्टि की है कि उन्हें चोरी के आरोप में हिरासत में लिया गया है। कंपनी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। अब्दु रोजिक एक मशहूर ताजिकिस्तानी सिंगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उनकी लोकप्रियता उनके गानों, वायरल वीडियो और रियलिटी शोज की वजह से बढ़ी। भारत में वे बिग बास 16 से काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए। 2024 में भारत में अब्दु रोजिक से ED ने भी पूछताछ की थी। यह मामला एक हॉस्पिटैलिटी कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस का था। हालांकि, अब्दु को उस समय मामले में आरोपी नहीं बनाया गया था, सिर्फ पूछताछ की गई थी।

ऑस्ट्रिया में पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी ने किया करोड़ों का गबन, पत्नी के साथ फरार

ऑस्ट्रिया एजेंसी। पाकिस्तान के ऑडिटर जनरल ने ऑस्ट्रिया में पाकिस्तानी दूतावास में करीब 16.6 करोड़ रुपए के घोटाले का खुलासा किया है। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, दूतावास में तैनात एक मिशन अधिकारी ने सरकारी फंड को अपने और अपनी पत्नी के गुप्त खातों में ट्रांसफर कर दिया और फिर दोनों अज्ञात जगह भाग गए। यह पूरा घोटाला 2020 में हुआ। अधिकारी ने दस्तावेज़ों में फर्जी हस्ताक्षर और कागज़ तैयार कर पैसे निकाल लिए। ऑडिट में पता चला कि दूतावास के बैंक खातों से 12.8 करोड़ (यूरो 4,42,256) और ₹3.7 करोड़ (डॉलर 1,34,291) निकाल लिए गए। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया कि अधिकारी को नौकरी से निकालने, पैसे वापस लेने और सजा देने की सिफारिश की गई थी, लेकिन नवंबर 2023 तक सरकार एक रुपया भी वापस नहीं ले पाई। विदेश मंत्रालय ने जांच रिपोर्ट भी ऑडिट टीम को नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि दूतावास के प्रमुख (हेड ऑफ मिशन), हेड ऑफ चांसरी और बैंक खातों के छह संयुक्त हस्ताक्षरकर्ताओं ने लापरवाही बरती। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हो सकता है कि और अफसर भी इस घोटाले में शामिल हों, लेकिन इस एंगल की जांच ही नहीं हुई। फरवरी 2024 में फिर से प्रबंधन को यह मामला बताया गया और तत्काल जांच और करीब ₹1.34 लाख और ₹4.5 लाख वापस लाने की सिफारिश की गई। जवाब में प्रबंधन ने सिर्फ ₹17,328 की रिकवरी की बात कही। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि आरोपी अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। ऑडिट में माना गया कि हेड ऑफ मिशन और बाकी अधिकारियों की लापरवाही और कमजोर वित्तीय निगरानी की वजह से सरकारी खजाने को बड़ा नुकसान हुआ।

एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन की हालत गंभीर, लंदन के अस्पताल में भर्ती

लंदन, एजेंसी। लंदन से ही कराची को कंट्रोल करने की क्षमता रखने वाले मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन को गंभीर बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अल्ताफ हुसैन 1992 से ही लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अल्ताफ ने मोहाजिरों के अधिकारों के लिए मोहाजिर कौमी मूवमेंट नाम की पार्टी बनाई थी। हालांकि जब उनकी पार्टी का नाम अलगाववादियों के साथ जोड़ा जाने लगा तो उन्होंने ही मोहाजिर की जगह मुत्ताहिदा कर दिया। ब्रिटेन की सरकार ने उन्हें नागरिकता दे दी है। लंदन में रहकर भी पाकिस्तान की राजनीति में उनका दबदबा बना ही रहता है। वह अकसर वीडियो के जरिए अपने राजनीतिक भाषण पहुंचाते रहते हैं।

एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अल्ताफ हुसैन की अच्छी सेहत की दुआ करने की अपील की है। पाकिस्तानी अखबार डॉन से बात करते हुए अजीजाबादी ने कहा, तनाव से जूझ रहे अल्ताफ हुसैन के डॉक्टरों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी थी। इसके अलावा अन्य बीमारियों का भी इलाज चल रहा है। फिलहाल वह लंदन के अस्पातल में आईसीयू में भर्ती हैं। 2021 में उन्हें कोरोना भी हो गया था। साल 2018 से पहले कराची में अल्ताफ हुसैन का सिक्का चलता था। कराची की राजनीति उनके इशारे पर चलती थी। हालांकि बाद के सालों में उनका रुतबा कम होने लगा। अल्ताफ हुसैन ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने पाकिस्तान में रहने वाले करोड़ों मोहाजिरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। विभाजन के बाद जो मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए थे उन्हें मोहाजिर कहा जाता है। ज्यादातर मोहाजिर उर्दू भाषी हैं। हुसैन का जन्म 17 सितंबर 1953 को कराची में ही हुआ था। शुरुआती शिक्षा उन्होंने अजीजाबाद से ली। इसके बाद कराची यूनिवर्सिटी में फार्मेसी की पढ़ाई करने लगे। कराची विश्वविद्यालय में ही वह अजीम तारिक के संपर्क में आए।

परमाणु बम की गीदड़भभकी देने वाले पाक की निकली हवा, पाक शहबाज ने खुद

इस्लामाबाद , एजेंसी। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर उन्हें तबाह कर दिया था।

इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों के जरिए हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय एअर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सारे हमलों को नष्ट कर दिया था।

इस दौरान पाकिस्तान में बैठे बड़े-बड़े नेताओं द्वारा बार-बार परमाणु हमले की गीदड़भभकी दी जा रही थी। लेकिन अब पाकिस्तान की हेकड़ी निकल गई है और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने खुद सच्चाई कबूल ली है।

शहबाज शरीफ ने कबूला सच : हाल ही में शहबाज शरीफ ने भारत के साथ संभावित परमाणु संघर्ष की आशंकाओं को खारिज कर दिया है। इस्लामाबाद में छात्रों को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांति बनाए रखने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों और राष्ट्रीय रक्षा के लिए है न कि आक्रामकता के लिए। शहबाज शरीफ का यह बयान भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद आया है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने तीखी सैन्य प्रतिक्रिया देते हुए 9 आतंकी ठिकानों पर हमले किए, जिनमें बहावलपुर भी शामिल था जिसे जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन का गढ़ माना जाता है।

पाकिस्तान का न्यूक्लियर ब्लैकमेल वाला गेम : बता दें, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ गया था। उस वक्त पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि देश अलर्ट पर है, लेकिन वह अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल सिर्फ विकट परिस्थितियों में ही करेगा। उन्होंने कहा था, हमारे अस्तित्व को सीधा खतरा हो, तभी हम इस पर विचार करेंगे।

परमाणु मुद्दे पर बहस तब और बढ़ गई थी जब पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के पूर्व महानिदेशक जावेद अशरफ काजी ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि दोनों परमाणु संपन्न देश हैं और युद्ध से परमाणु विनाश हो सकता है।

द्वितीय विश्व युद्ध से तुलना करते हुए जावेद अशरफ काजी ने कहा था, जापान में सिर्फ दो बम गिराए गए थे और उसका नतीजा आज भी सामने दिखाई देते हैं। भारत और पाकिस्तान के पास 170-170 से ज्यादा परमाणु बम हैं। इतने बमों के साथ युद्ध की कल्पना करना भी भयावह है।

पीएम मोदी का पाक को साफ संदेश : हालांकि, पाकिस्तान की ये हमेशा से आदत रही है कि तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानी राजनीतिक और सैन्य नेता परमाणु धमकी का सहारा लेते हैं। इस पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया था कि पाकिस्तान का न्यूक्लियर ब्लैकमेल अब नहीं चलेगा।

पीएम मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर को अब जंग माना जाएगा और उसका जवाब पूरी ताकत के साथ दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि अगर सीमा पार से कोई भी आतंकी हमला होता है तो उसे देश के खिलाफ जंग ही माना जाएगा।

ट्रंप के खिलाफ केस लड़ने वाले वकीलों पर हुआ एक्शन, न्यायिक विभाग ने कई लोगों की कर दी छंटनी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के न्यायिक विभाग में कुछ लोगों की छंटनी की गई है। इस लिस्ट में कई वकीलों, न्यायिक विभाग के कर्मचारियों और गैर-कानूनी स्टाफ का नाम शामिल है। यह सभी लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चल रहे केस से किसी न किसी तरह जुड़े हुए थे। मगर, अब इन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।

न्यायिक विभाग की इस छंटनी में कुल कितने लोगों का नाम है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। समाचार एजेंसी एपी ने इस निर्णय से जुड़े 2 लोगों के हवाले से यह जानकारी दी है।

जैक स्मिथ की टीम से अधिक छंटनी

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ दो बड़े केस चल रहे हैं। पहला मामला गोपनीय दस्तावेज रखने का है और दूसरा मामला चुनाव नतीजों में हेरफेर करने की साजिश रचने से संबंधित है। इन मामलों की अगवाई विशेष वकील जैक स्मिथ की टीम कर रही थी। वहीं, अब सबसे ज्यादा छंटनी भी जैक स्मिथ की टीम से ही हुई हैं।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप के खिलाफ केस से संबंधित लोगों को निष्कासित किया गया है। इससे पहले भी जनवरी 2025 में दर्जनों वकीलों को बरखास्त किया जा चुका है। पिछले महीने भी 3 वकीलों की छंटनी की गई थी। यह तीनों वकील 2021 को कैपिटल हिल दंगों की जांच में शामिल थे।बता दें कि जैक स्मिथ की टीम ने ट्रंप पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने फ्लोरिडा स्थित घर में कुछ गोपनीय दस्तावेज रखे हैं। इसके अलावा 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने हेरफेर करने की भी कोशिश की थी।

गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी, खाना लेने जा रहे लोगों पर फायरिंग

यरुशलम एजेंसी। गाजा में खाना लेने के लिए जा रहे फलस्तीनियों पर इजरायली सैनिकों ने फायरिंग की है। इस घटना में 24 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। यह घटना रफाह शहर की है और फायरिंग के शिकार हुए लोग खाद्य सामग्री वितरित करने वाले अमेरिकी संगठन जीएचएफ के सेंटर की ओर जा रहे थे।

शुक्रवार को ही संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में खाद्य सामग्री लेने आए लोगों पर फायरिंग की घटनाओं में 798 स्त्री, पुरुषों और बच्चों के मारे जाने की जानकारी दी थी। इनके अतिरिक्त शनिवार को गाजा में इजरायली सेना के अन्य हमलों में 28 लोग मारे गए हैं।

गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी. गाजा में युद्धविराम की कोशिश के बीच इजरायली सेना के हमले जारी हैं। शनिवार को हुए हवाई हमलों में चार बच्चों समेत 28 के मारे जाने की सूचना है। दीर अल-बलाह शहर में 13 लोग मारे गए जबकि 15 लोग खान यूनिस में मारे गए हैं।

इजरायली सेना ने कहा है कि दो दिनों में उसने करीब 250 ठिकानों को निशाना बनाया। हमास इन ठिकानों का इस्तेमाल इजरायली सेना पर हमले के लिए करता था और इनमें से कुछ में लड़ाके छिपे हुए थे।

इजरायली हमलों में अभी तक 57 हजार से ज्यादा लोग मारे गए: सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पर जारी इजरायली हमलों में अभी तक 57 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। उससे पहले हमास ने इजरायली शहरों पर हमला कर करीब 1,200 लोगों को मार डाला था और 251 लोगों को जबरन गाजा में लाकर बंधक बना लिया था।

गाजा में युद्धविराम के एक अन्य प्रस्ताव पर कार्य हो रहा : इनमें से 50 बंधक अभी भी हमास के कब्जे में हैं जिनमें से 20 के ही जीवित होने की संभावना है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा में युद्धविराम के एक अन्य प्रस्ताव पर कार्य हो रहा है, उस पर दोनों पक्षों की सहमति बनने की संभावना है।

इस राजनीतिक पार्टी से निकला आरोपियों का कनेक्शन

ढाका एजेंसी। ढाका में 43 वर्षीय हिंदू व्यापारी लाल चंद उर्फ सोहाग की नृशंस हत्या ने न केवल बांग्लादेशियों को, बल्कि दुनिया भर के कई लोगों को झकझोर दिया है। लोगों ने बांग्लादेश में व्याप्त घोर अराजकता के लिए मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना की है।

यह जघन्य हत्या बुधवार (नौ जुलाई) को ढाका के सर सलीमउल्लाह मेडिकल कॉलेज, मिटफोर्ड अस्पताल के सामने हुई। सोहाग सोहाना मेटल नाम से कबाड़ की दुकान चलाते थे। बाजार में उनकी अच्छी पैठ थी। उनके प्रतिद्वंद्वियों महमूदुल हसन मोहिन और सरवर हुसैन टीटू ने कथित तौर पर व्यवसाय में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी या उसके बदले नियमित भुगतान की मांग की थी। पिछले दो-तीन महीनों से आरोपित सोहाग से हर महीने मोटी रकम की रंगदारी मांग रहे थे।

बुधवार को जब उन्होंने सोहाग को अकेला पाया तो मोहिन और उसके चार-पांच साथियों ने उन पर हमला कर दिया। उन्हें पत्थरों से मारा और नंगा करके बेरहमी से पीटा। इससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। परिवार के इकलौते कमाने वाले सोहाग की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी वीभत्स हत्या का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया है।

वहां मौजूद लोगों की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ और डर के मारे किसी ने भी मोहिन को नहीं रोका क्योंकि वह बांग्लादेश जातीयतावादी युवा दल (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएनपी की युवा शाखा) की चौकबाजार इकाई के महासचिव पद का उम्मीदवार था। उस पर मिटफोर्ड अस्पताल के पास फुटपाथ पर विक्रेताओं और अन्य व्यापारियों से जबरन वसूली करने

के भी आरोप हैं।अगस्त, 2024 में मुहम्मद यूनुस के बांग्लादेश में सत्ता संभालने के बाद से पत्रकारों, पुलिस अधिकारियों, अल्पसंख्यकों और अवामी लीग पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं पर कई अकारण और हिंसक हमले हुए हैं।बीएनपी ने जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के चुनाव से पहले न्याय और सुधार के औचित्य को खारिज कर दिया और कहा कि वह पुनर्गठन के नाम पर अब और देरी बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अब्दुल मोईन खान ने पार्टी के नए सदस्यों के भर्ती अभियान के दौरान कहा कि अब एकमात्र प्राथमिकता स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से लोगों के मतदान के अधिकार को सुनिश्चित करना है।

शराब का नशा और प्लेन के बाथरूम में... एक कपल की वजह से 17 घंटे फंसे रहे यात्री

न्यूयार्क एजेंसी। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका में एक यात्री विमान उस वक्त 17 घंटे से ज्यादा समय तक फंसा रहा, जब एक जोड़ा उड़ान के दौरान बाथरूम में धूम्रपान करते पकड़ा गया।

न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार (8 जुलाई, 2025) को लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए जाने वाली टीयूआई एयरवेज की उड़ान BY49 ने मेक्सिको के कैनकन से उड़ान भरी, लेकिन उसे मेन के बांगोर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट करना पड़ा। विमान स्थानीय समय के मुताबिक, रात 9 बजकर 30 मिनट पर उतरा।

17 घंटे से ज्यादा समय तक

यात्रियों के फंसे रहने की वजह क्या? : बाथरूम में स्मोकिंग कर रहे कपल पर नशे में होने का शक था और इसीलिए उन्हें वहां से ले जाया गया, जबकि बाकी यात्रियों को बताया कि जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी होते ही विमान फिर से उड़ान भरेगा। हालांकि ब्रिटिश यात्री टेरी लॉरेंस ने बताया कि यात्रियों को पांच घंटे ज्यादा बैठने के लिए मजबूर किया गया।

वहीं, फ्लाइट क्रू मेम्बर अपना काम जारी नहीं रख पाए क्योंकि ऐसा करने से उनके वैध कार्य समय की अवधि खत्म हो जाती। नतीजा ये निकला कि फिर यूके से अमेरिका के लिए एक रिलीफ फ्लाइट भेजनी पड़ी। यहां से स्थिति और बेकार हो गई क्योंकि यात्रियों को एक छोटी सी जगह वाले लाउंज में ठूंस दिया गया। इसके बारे में ब्रिटिश यात्री लॉरेंस का कहना है कि वह हवाई अड्डे का सैन्य एअरबेस वाला हिस्सा था। अगले दिन दोपहर तीन बजे तक यात्री रवाना नहीं हो सके और उन्हें साढ़े सत्रह घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। हालांकि अब सभी यात्री सुरक्षित लंदन पहुंच चुके हैं।

अमेरिका में खालिस्तानियों पर बड़ा एक्शन, 8 आतंकी गिरफ्तार

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो ने खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ बड़ा एक्शन करते हुए 8 आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक एफबीआई ने एक गैंग से संबंधित अपहरण के मामले में यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार किए गए 8 आतंकियों में एनआइए की लिस्ट में शामिल मोस्ट वांटेड आतंकी पवित्तर सिंह बटाला का नाम भी है। एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया है कि शनिवार को पवित्तर सिंह बटाला सहित 8 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, 11 जुलाई 2025 को विभिन्न एजेंसियों ने एफबीआई की स्वाद टीम के साथ मिलकर गैंग से संबंधित अपहरण के सिलसिले में दिलप्रीत सिंह, अर्शप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह, विशाल, पवित्तर सिंह, गुरताज सिंह, मनप्रीत रंधावा और सरबजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।तलाशी के दौरान एफबीआई ने गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से 5 हैंडगन, एक असॉल्ट राइफल, सैकड़ों राउंड गोला-बारूद, मैगज़ीन और 15,000 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा नकद बरामद किए हैं।

भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े हैं।

रेत और धूल के कारण हर साल 70 लाख लोगों की समय से पहले मौत, रिपोर्ट ने चौंकाया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विश्व मौसम संगठन के अनुसार, रेत और धूल के तूफान 150 से अधिक देशों में लगभग 33 करोड़ लोगों को प्रभावित करते हैं। ये स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर गंभीर असर डाल रहे हैं। डब्ल्यूएमओ की प्रतिनिधि लॉरा पैटरसन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को बताया कि हर साल लगभग 2 अरब टन धूल निकलती है, जो मिस्र की 300 गीजा पिरामिडों के बराबर है। उन्होंने कहा कि दुनिया की 80 प्रतिशत से अधिक धूल उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के रेगिस्तानों से आती है। यह सैकड़ों व हजारों किलोमीटर दूर तक महाद्वीपों और महासागरों को पार करते हुए फैलती है।

महासभा ने शनिवार को रेत और धूल के तूफानों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया और 2025 से 2034 तक को संयुक्त राष्ट्र दशक के रूप में नामित किया। महासभा के अध्यक्ष फिलेमॉन यांग ने कहा कि ये तूफान जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण और गैर-स्थायी प्रथाओं के कारण तेजी से एक वैश्विक चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन तूफानों से उत्पन्न कण हर साल 70 लाख समय से पहले मौतों का कारण बनते हैं। ये श्वसन और हृदय रोगों को बढ़ाते हैं। फसल उत्पादन को 25 प्रतिशत तक कम करते हैं, जिससे भुखमरी और पलायन की समस्याएं बढ़ जाती हैं। पश्चिमी एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग की प्रमुख रोल दश्ती ने कहा, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में इन तूफानों से निपटने की वार्षिक लागत 150 अरब डॉलर है, जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इस वसंत में अरब क्षेत्र में तूफानों ने इराक में अस्पतालों को श्वसन रोगियों से भर दिया। कुवैत और ईरान में स्कूलों व कार्यालयों को बंद करने के लिए मजबूर किया। दश्ती ने जोर देकर कहा कि रेत और धूल के तूफानों को वैश्विक और राष्ट्रीय एजेंडा में शामिल करना जरूरी है।

क्या पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनेंगे आसिम मुनीर ? शहबाज शरीफ ने बताई अंदर की बात, कहा- देश को विकसित करना हमारा लक्ष्य

ई, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन चर्चाओं को खारिज किया है जिनमें राष्ट्रपति पद से आसिफ अली जरदारी को हटाकर उनके स्थान पर फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को नियुक्त किए जाने का कयास लगाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, फील्ड मार्शल मुनीर ने कभी भी राष्ट्रपति बनने की इच्छा जाहिर नहीं की और न ही उनके समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव रखे जाने की योजना है।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने क्या कहा? : कहा- राष्ट्रपति जरदारी, फील्ड मार्शल मुनीर और उनके बीच परस्पर सम्मान वाला रिश्ता है। हमारा लक्ष्य पाकिस्तान का विकास और उसे समृद्ध बनाना है। शरीफ की ओर से यह वक्तव्य गृह मंत्री मोहसिन नकवी के उस एक्स पोस्ट के बाद आया है जिसमें जरदारी, शरीफ और मुनीर के बीच गलतफहमी पैदा करने के लिए अभियान चलाए जाने की निंदा की गई है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी ने क्या कहा? : नकवी ने कहा कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि इस दुष्प्रचार के पीछे कौन लोग हैं। इस तरह के दुष्प्रचार के पीछे विदेशी एजेंसियां हैं जो पाकिस्तान को खुशहाल होते नहीं देखना चाहती हैं। नकवी ने कहा, राष्ट्रपति पद पर बदलाव के संबंध में न कोई विमर्श हुआ है और न ही कोई विचार आया है। लेकिन हम हर वह कार्य करेंगे जिससे पाकिस्तान मजबूत हो।

तीन वर्ष के लिए हुई थी मुनीर की सेना प्रमुख के तौर पर नियुक्ति : उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में 2022 में मुनीर की सेना प्रमुख के रूप में तीन वर्ष के लिए नियुक्ति हुई थी जिसे बाद में सरकार ने बढ़ाकर पांच वर्ष के लिए कर दिया था। जबकि जरदारी 2024 में राष्ट्रपति बने थे और उनका कार्यकाल पांच वर्ष का है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता रहे जरदारी को यह पद शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देने के समझौते के तहत मिला था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे दिन भी सूरत में खाड़ी के पानी के प्रवाह में बाधा बनने वाले अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में खाड़ी में बाढ़ आने की समस्या को रोकने के लिए हाई लेवल कमिटी गठित किए जाने के बाद कमिटी और नगर निगम प्रशासन हरकत में आ गया है। खाड़ी के प्रवाह में बाधा बन रहे स्ट्रक्चर्स और अतिक्रमणों का सर्वे पूरा करने के बाद, कल से शुरू हुई सिल्ट हटाने और अतिक्रमण दूर करने की कार्रवाई आज लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। अब तक नगर निगम और सरकार के विभिन्न विभागों में तालमेल की कमी के कारण यह कार्रवाई नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब कमिटी के गठन के बाद कार्य में तेजी आई है।

सूरत जिले से गुजरने वाली और शहर के बीच से बहने वाली खाड़ी के कारण शहर को लगातार बाढ़ का खतरा बना रहता है। खासकर जब जिले में भारी बारिश होती है, तो खाड़ी का जलस्तर बढ़ जाता है और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। चूंकि खाड़ी की मालिकाना जिम्मेदारी सरकार की है, इसलिए उस पर हुए अतिक्रमणों को हटाना सरकार की जवाबदारी है। वहीं, नगर निगम क्षेत्र में जो अतिक्रमण हैं, उन्हें हटाना नगर निगम की जिम्मेदारी बनती है। लेकिन वर्षों से समन्वय की कमी के चलते यह काम अधूरा ही रह जाता था, और खाड़ी की बाढ़ का खामियाजा सूरतवासियों को भुगतना पड़ता था।

इस वर्ष खाड़ी में आई बाढ़ के बाद आम जनता में भारी आक्रोश था, और आगामी नगर निगम चुनाव में यह मुद्दा बड़ा बन सकता था। इसी कारण एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें खाड़ी में बाढ़ की रोकथाम के लिए हाई पावर कमिटी गठित की गई। पहले इस कमिटी के अध्यक्ष जिला कलेक्टर बनाए गए थे, लेकिन एक ही दिन में नगर आयुक्त को कमिटी का अध्यक्ष बना दिया गया। नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल के अध्यक्ष बनने के बाद नगर निगम प्रशासन एक्शन में आ गया और सर्वे के बाद काम की शुरुआत भी कर दी गई।

पूर्व (सार्थाणा) ज़ोन की टीपी स्कीम नं. 21 (सार्थाणा-सिमाडा) के अंतर्गत 60 मीटर चौड़ी आइकोनिक रोड पर स्थित शिव प्लाज़ा रेसिडेंसी के पास, पासोदरा-कठोदरा से आने वाली खाड़ी पर वर्षों पुराना पाइप कलवर्ट स्थित था। यह कलवर्ट जर्जर स्थिति में था, जिसे सुरक्षा कारणों से ट्रैफिक के लिए बंद कर दिया गया था। आज इस कलवर्ट को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई।

बमरौली में खाड़ी के प्रवाह में बाधा बन रहे पाइप कलवर्ट को भी हटाने का काम किया जा रहा है।

टीपी स्कीम नंबर 43, भीमराड के फाइनल प्लॉट नंबर 81 के पास, नगर निगम के नव-निर्मित आवासों की बगल में खाड़ी की अलाइनमेंट में हुए अतिक्रमण को भी हटाया गया है।

यहां खाड़ी की चौड़ाई बढ़ाने (वाइडनिंग) का कार्य चल रहा है। इस प्रकार, हाईपावर कमिटी के गठन और नगर आयुक्त के नेतृत्व में खाड़ी की सफाई और अतिक्रमण हटाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं ताकि भविष्य में बाढ़ जैसी आपदाओं से शहर को बचाया जा सके।

सूरत में माता-पिता के लिए चेतावनी भरा मामला

स्तनपान के बाद 2 माह की बच्ची की मौत, मां का रो-रोकर बुरा हाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर से माता-पिता के लिए एक बेहद चेतावनीभरा और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। सूरत के सचिन इलाके में एक दो महीने की मासूम बच्ची की स्तनपान के बाद करुणामयी मौत हो गई। इस घटना ने परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया है और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए गंभीर सतर्कता बरतने का संदेश दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सचिन क्षेत्र में रहने वाले मूल बिहार निवासी संजीत पासवान की 2 महीने की बेटी को रात में मां ने स्तनपान कराया था। दूध पिलाने के बाद मां सो गई थी, और बच्ची कुछ देर खेल रही थी। सुबह जब मां उठी, तो उसने अपनी इकलौती बेटी को बेहोशी की हालत में पाया। यह दृश्य देखकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। तुरंत बच्ची को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इकलौती बेटी की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बच्ची की मां का दिल दहला देने वाला विलाप माहौल को और भी गमगीन बना गया। बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, बच्ची की मौत दूध गले में फंस जाने या सांस रुकने के कारण हुई हो सकती है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। यह मामला स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आया है।

डॉक्टरों द्वारा स्तनपान के दौरान निम्नलिखित सावधानियां बरतने की विशेष सलाह दी गई है-

स्तनपान कराते समय बच्चे के सिर को पेट के स्तर से थोड़ा ऊपर रखना चाहिए, ताकि दूध आराम से गले से उतर सके और सांस नली में जाने की संभावना कम हो।

दूध पिलाने के बाद तुरंत बच्चे को सुलाने के बजाय उसे कम से कम 15-20 मिनट तक सीधा पकड़े रखें या कंधे पर रखकर धीरे-धीरे पीठ थपथपाएं, जिससे डकार आ जाए और फंसी हुई हवा बाहर निकल सके।

बच्चे को स्तनपान कराते समय मां को पूरी तरह जागृत रहना जरूरी है। थकान या नींद की स्थिति में दूध पिलाने से बच्चे को दूध गले में फंसने या सांस रुकने का खतरा रहता है।

यह मामला माता-पिता के लिए एक बड़ी चेतावनी है कि बच्चों की देखभाल में थोड़ी सी भी लापरवाही गंभीर परिणाम ला सकती है। छोटी-छोटी सतर्कताएं अपनाकर ऐसी दर्दनाक घटनाओं से बचा जा सकता है।

गुरुकुल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर, पुलिसकर्मियों समेत कई लोगों ने किया रक्तदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेडरोड स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों समेत कई संवेदनशील लोगों ने हृदय से रक्तदान किया। इस अवसर पर गुरुकुल के महंत धर्मवल्लभदासजी स्वामी ने कहा कि, च्यक्तदान केवल भावना और संवेदनशील हृदय से ही संभव होता है। पुलिस स्वभाव से कठोर मानी जाती है, लेकिन उनके दिल में करुणा और संवेदना होती है, इसलिए उन्होंने इस विशेष शिविर का आयोजन कर एक अनूठी मिसाल पेश की है।ज्ज

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद गोविंदभाई धोलकिया और पुलिस कमिश्नर अनुबसिंह गहलोत ने कहा कि, च्युरुकुल केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि भूकंप, बाढ़ या अन्य आपदा के समय संत और उनके छात्र सेवाभावी बनकर समाज की सहायता करते हैं। धन कमाने वाले तो बहुत होते हैं, लेकिन समाज के लिए उसका उपयोग करने वाले छात्र गुरुकुल से मिलते हैं। इस पवित्र परिसर में आयोजित इस रक्तदान शिविर में जो रक्तदान हुआ है, उसमें गुरुकुल की सकारात्मकता और स्पंदन जुड़े होंगे, जो निश्चित ही रोगी को शांति प्रदान करेंगे।ज्ज

सिंगणपुर, कतारगाम, चौकबाजार, लालगेट, महिधरपुरा पुलिस स्टेशन तथा स्वामीनारायण गुरुकुल, वेडरोड, सूरत के संयुक्त उपक्रम से आयोजित इस शिविर में सूरत शहर पुलिस द्वारा गोद लिए गए थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों की सहायता हेतु रक्तदान किया गया।

रक्तदाताओं को पुलिस कमिश्नर अनुबसिंह गहलोत के अभिनंदन संदेश और गुरुकुल के महंत के आशीर्वाद सहित धन्यवाद पत्र प्रदान किया गया। साथ ही, किरण हॉस्पिटल द्वारा 1500 रुपये का वाउचर भी दिया गया।

गुरुकुल के छात्रों ने पुलिस कमिश्नर का स्वागत बैंड बाजे के साथ किया।

1259 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

समापन अवसर पर राष्ट्रगान से पूर्व डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस पिनाकिन परमार ने कहा कि अब तक पुलिस विभाग द्वारा 15,000 से अधिक यूनिट रक्तदान किया जा चुका है, जिसमें पीआई, एसीपी और कांस्टेबलों ने भी हिस्सा लिया है।

प्रभु स्वामी के आशीर्वाद से आज के शिविर में 1259 से अधिक रक्तदाताओं ने थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए रक्तदान कर एक महान सेवा कार्य किया।

युवक के साथ भागकर पिछले दो साल से लिव-इन में रह रही थी युवती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से दाहोद की रहने वाली अस्मिता राहुल मच्छर नामक युवती सूरत के पालनपुर जकातनाका क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहती थी। दो साल पहले अस्मिता को राहुल भगाकर ले गया था और दोनों तभी से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। इस दौरान उनके एक बच्ची भी हुई। राहुल मज़दूरी कर परिवार का गुज़ारा कर रहा था। सुबह जब अस्मिता अपने कमरे में बेहोशी की हालत में मिली, उस समय राहुल भी वहां मौजूद नहीं था। अस्मिता के मामा पास ही रहते हैं। जब घर के पास भीड़ देखी, तो वह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि अस्मिता बेहोश थी और उसके गले पर नाखून से खरोंच के जैसे चोट के निशान थे। तुरंत उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

परिजन इस पूरे मामले को हत्या मान रहे हैं और आरोपी प्रेमी की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार प्रेमी की तलाश की जा रही है। अस्मिता के गले पर नाखून से खरोंच के जैसे चोट के निशान पाए गए। वह बेहोश हालत में मिली थी। अस्मिता के मामा पास में ही रहते हैं। जब घर के पास लोगों की भीड़ देखी, तो वह मौके पर पहुंचे और पाया कि अस्मिता अचेत अवस्था में थी और उसके गले पर संदिग्ध चोटों के निशान थे। इसके बाद उसे तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

मृतका अस्मिता के पिता राकेश चारेल ने बताया कि दो साल पहले राहुल अस्मिता को भगाकर सूरत ले आया था। हम मोरा गांव में रहते हैं, जबकि अस्मिता सूरत के पालनपुर जकातनाका स्थित श्रीजीनगर सोसाइटी में राहुल के साथ रहती थी। जब वह बेहोश मिली, तो मुझे मेरे साले ने फोन कर इसकी सूचना दी थी। अस्मिता से कभी-कभी बातचीत होती थी, लेकिन इतनी बड़ी घटना के बावजूद भी राहुल ने हमें खुद फोन कर सूचना नहीं दी।

राकेश चारेल ने आगे कहा, "मेरी बेटी के गले पर नाखूनों के निशान हैं और राहुल घटना के बाद से फरार है, जिससे हमें संदेह है कि उसी ने गला दबाकर अस्मिता की हत्या की है। हम चाहते हैं कि पुलिस हमें न्याय दिलाए।"

इस घटना की गंभीरता को देखते हुए रांदेर पुलिस स्टेशन के पीआई और एसीपी भी तुरंत सूरत सिविल अस्पताल पहुंचे। परिवार के आरोपों के चलते शव का फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

गुजरात का पहला इको-फ्रेंडली अलथाण पुलिस स्टेशन

प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर 'नो एंट्री', सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन प्रणाली और महिलाओं के लिए विशेष रेस्ट रूम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के अलथाण इलाके में खटोदरा पुलिस स्टेशन से विभाजित होकर, जनभागीदारी से करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित इको-फ्रेंडली अलथाण पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया गया। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त और पर्यावरण के अनुकूल पुलिस स्टेशन गुजरात का पहला 'ग्रीन बिल्डिंग' पुलिस स्टेशन होने का गौरव रखता है, जो सुरक्षा और स्थायित्व का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। इस पुलिस स्टेशन में प्लास्टिक की पानी की बोतलें ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसके साथ ही, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) प्रणाली और महिलाओं के लिए विशेष रेस्ट रूम की भी व्यवस्था की गई है।

यह नवनिर्मित अलथाण पुलिस स्टेशन सूरत शहर के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह इको-फ्रेंडली पहल न सिर्फ गुजरात, बल्कि देश के अन्य राज्यों और शहरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह पुलिस स्टेशन केवल अपराधियों को पकड़ने या केस सुलझाने तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण सुरक्षा और सामाजिक सेवा का एक जीवंत उदाहरण बनेगा।

पुलिस इंस्पेक्टर डी.डी. चौहान ने जानकारी दी कि अलथाण पुलिस स्टेशन को एक आधुनिक और पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील 'ग्रीन बिल्डिंग' के रूप में डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल निर्माण है।

इस पूरी इमारत को 15 किलोवॉट क्षमता की सौर ऊर्जा प्रणाली से चलाया जा रहा है। इससे बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी आएगी और ऊर्जा की बचत होगी। सौर ऊर्जा का उपयोग कार्बन उत्सर्जन को घटाने में मदद करेगा और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

पानी के संरक्षण और पुन: उपयोग हेतु यहां 12 फीट गहराई तक वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाई गई है। वर्षा का पानी फिल्टर कर पीने योग्य बनाया जाएगा, जो जल संकट का सामना कर रहे शहरों के लिए एक बेहतरीन समाधान है। इससे भूमिगत जल स्तर का रिचार्ज भी होगा।

राज्य में अगले 4 दिनों तक मूसलधार बारिश की चेतावनी, इन 13 जिलों में होगी भारी वर्षा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मौसम विभाग ने राज्य में आगामी 4 दिनों तक अनवरत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। इस दौरान विशेषकर 13 जिलों में मूसलधार वर्षा की संभावना जताई गई है, जिससे प्रशासन और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

इन जिलों में भारी बारिश की संभावना है:

1. वलसाड
2. नवसारी
3. डांग
4. सूरत
5. भरूच
6. नर्मदा
7. तापी
8. भावनगर
9. अमरेली
10. गिर-सोमनाथ
11. राजकोट
12. मोरबी
13. जामनगर

मौसम विभाग के अनुसार, इन जिलों में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ मूसलधार बारिश होने की आशंका है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव, नदी-नालों में बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। किसानों, मछुआरों और यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

प्रशासन द्वारा राहत-बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।